दैनिक

# क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 90
मुरादाबाद
20 July 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## उत्तराखंड निवेश उत्सवः गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम

## उत्तराखंड आकर नई ऊर्जा लेकर जाता हूं, थपथपाई सीएम की पीठ

रुद्रपुर में आयोजित उत्तराखंड निवेश उत्सव में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तराखंड आकर नई ऊर्जा लेकर जाता हूं।गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तराखंड आकर नई ऊर्जा लेकर जाता हूं। यहां की नदियां आधे भारत को पीने और सिंचाई का पानी देती हैं। 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से कहा था कि एमओयू लाने नहीं उसे धरातल में उतरना असल पराक्रम है। मुख्यमंत्री को धन्यवाद है कि एक लाख करोड़ के निवेश को ग्राउंडिग हो रही है। पहाड़ी राज्य में निवेश लाना पहाड़ चढ़ने जैसा कठिन है। मुख्यमंत्री ने विपरीत परिस्थितियों और कल्पनाओं के मिथक को तोड़ते हुए एक लाख हजार करोड़ का निवेश आ चुका है। इससे 81 हजार से अधिक रोजगार का सृजन हुआ है। राज्य आंदोलन में कांग्रेस ने आंदोलनकारियों पर अत्याचार किया। भाजपा और पीएम अटल बिहारी ने राज्य बनाया था। अटल बिहारी ने तीन राज्य बनाए थे और तीनों अपने पैरों पर खड़े होकर चल रहे हैं। 2014 से मोदी सरकार इन राज्यों को संवारने का काम कर रही है।कहा कि 2027 में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था होगी। कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा अच्छे कामों पर राजनीति करती है। मनमोहन सरकार ने दस साल में उत्तराखंड को 53 हजार करोड़ दिए थे और मोदी सरकार के दस साल में 1 लाख 86 हजार करोड़ दिए है। कांग्रेसी थोड़े बहुत बचे दिखाई देते है और वो कुछ वर्षों में दिखाई भी नहीं देंगे। उन्होंने उत्तराखंड में निवेश सहित तमाम कार्यों और बेहतर सरकार चलने पर सीएम धामी की खूब पीठ थपथपाई। रुद्रपुर में आज प्रदेश सरकार एक लाख करोड़ के निवेश की ग्राउंडिंग होने पर निवेश उत्सव मना रही है। सीएम धामी ने पंतनगर एयरपोर्ट पर मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत किया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को पंतनगर एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत किया। ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर में आज प्रदेश सरकार एक लाख करोड़ के निवेश की ग्राउंडिंग होने पर निवेश उत्सव मना रही है।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड निवेश उत्सव कार्यक्रम में कहा कि आज देश में आतंकवाद और नक्सलवाद सिर उठाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है। आज देश ने सहकारिता के क्षेत्र में भी नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आज का अवसर उत्तराखंड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में अंकित हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह निवेश उत्सव के कार्यक्रम के दौरान कई सौगातें जनता और विभागों को देंगे। वे सिडकुल की कंपनियों और अन्य जगहों पर काम करने वाली महिलाओं के लिए रुद्रपुर में 126 करोड़ की लागत के दो कामकाजी छात्रावासों का शिलान्यास करेंगे। रुद्रपुर के गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण व 31वीं वाहिनी पीएसी में टाइप द्वितीय के 47.79 करोड़ की लागत से बनने वाले टाईप द्वितीय के 108 आवासों का शिलान्यास होगा।मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए गृह मंत्री शाह 1165.4 करोड़ की विभिन्न विभागों की 14 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें 40वीं वाहिनी पीएसी हरिद्वार में टाइप द्वितीय के 108 आवास, नए कानून के क्रियान्वयन के लिए वीसी कक्ष शामिल हैं। रुद्रपुर में एनएच 87 पर डीडी चौक से इंदिरा चौक तक सड़क चौड़ीकरण, नैनीताल में मेट्रोपोल होटल परिसर में सरफेस पार्किंग, चंपावत में मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल मल्टी लेवल कार पार्किंग और कॉम्पलेक्स निर्माण शामिल है। टनकपुर में पेयजल आपूर्ति के संबंधित विकास कार्य, हल्द्वानी में प्रशासनिक भवन सहित बस टर्मिनल संबंधी कार्य और हल्द्वानी में बारिश के पानी की प्रबंधन प्रणाली व सड़क निर्माण संबंधित विकास कार्य का भी शिलान्यास होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### ऊर्जा मंत्री को नहीं करने दिए बांके बिहारी के दर्शन, मंदिर पहुंचते ही हंगामा...द्वार पर लगा दिया पर्दा

बांके बहारी के दर्शन करने पहुंचे ऊर्जा मंत्री को गोस्वामी परिवार और महिलाओं के विरोध का सामना करना पड़ गया। मंत्री को इस दौरान ठीक से दर्शन भी नहीं करने दिए गए। ऐसी हालात देख मंत्री भी गेट नंबर चार से होते हुए मंदिर से बाहर आ गए।वृंदावन के श्रीबांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और न्यास गठन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। शुक्रवार को नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के मंदिर आगमन पर सेवायतों और स्थानीय महिलाओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मंदिर की महिलाएं काली पट्टी बांधकर भगवान के दर्शन के लिए पहुंचीं और नारेबाजी करते हुए मंत्री के खिलाफ विरोध जताया। विरोध के दौरान पुलिस पर महिलाओं से बदसलूकी करने के आरोप भी लगे हैं। सीओ सदर संदीप सिंह ने महिलाओं के हाथ से काली पट्टी पर लिखे स्लोगन छीन लिए। इस बात पर एक गोस्वामी और सीओ में कहासुनी भी हो गई। सेवायतों ने भी विरोध का स्वर ऊंचा करते हुए मंदिर का पर्दा गिरा दिया। जिसके चलते मंत्री शर्मा को केवल कुछ सेकंड के लिए ही भगवान बांके बिहारी के दर्शन हो सके। उन्हें न तो प्रसाद दिया गया और न ही परंपरागत पटका पहनाया गया।ऐसी स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने मंत्री शर्मा को 4 नंबर गेट से बाहर निकाला। इसके बाद जब वे वीआईपी रोड स्थित जुगल गोस्वामी की गद्दी पर पहुंचे, वहां भी नाराज़ महिलाएं प्रदर्शन करते हुए पहुंच गईं और नारेबाजी शुरू कर दी।

## मोदी पर हमला, कहा- वे 42 देशों में गए पर मणिपुर नहीं पहुंचे

मैसूर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश की जनता भाजपा और आरएसएस को संविधान बदलने की इजाजत नहीं देगी। कांग्रेस पार्टी में लोग काम करते हैं, जबकि मोदी की भाजपा में लोग केवल बोलते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 42 देशों का दौरा किया, लेकिन मणिपुर नहीं पहुंचे। खरगे ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा। मैसूर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश की जनता भाजपा और आरएसएस को संविधान बदलने की इजाजत नहीं देगी। कांग्रेस पार्टी में लोग काम करते हैं, जबकि मोदी की भाजपा में लोग केवल बोलते हैं। उन्होंने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की ओर से आरोपपत्र दाखिल करना केवल उनका और गांधी परिवार का नाम खराब करने की कोशिश है। केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी को निशाना बना रही है। खरगे ने कहा कि वाड्रा के साथ जो कुछ किया गया है, वह एक व्यक्ति से बदला लेने और एक पार्टी को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। यह सब वाड्रा और गांधी परिवार को बदनाम करने की कोशिश के तहत किया जा रहा है। वे इसमें कभी सफल नहीं होंगे। अदालतें हैं। वाड्रा को जो परेशानी दी जा रही है, वह ठीक नहीं है। हम सभी उनके अच्छे काम का समर्थन करते हैं।कांग्रेस पर भूमि जिहाद का समर्थन करने के आरोप पर खरगे ने कहा कि मुझे नहीं पता कि भूमि जिहाद क्या है? अगर वे मेरे खिलाफ कोई कार्रवाई करना चाहते हैं, तो स्वागत है, उन्हें करने दीजिए। जब भी वे कार्रवाई करेंगे, मैं उसका जवाब दूंगा। रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ क्यों हुई कार्रवाई? प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ जमीन के लेनदेन में कथित धनशोधन से जुड़े एक मामले में चार्जशीट दायर की है। केंद्रीय एजेंसी इस मामले में वाड्रा की कंपनी स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी की 37.64 करोड़ रुपये की 43 अचल संपत्तियां कुर्क कर लीं हैं। आरोप है कि मानेसर-शिकोहपुर में मौजूद जमीन के ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से वाड्रा की कंपनी को बेचे जाने के एक दिन बाद ही इसका म्यूटेशन कर दिया गया। इतना ही नहीं, इसके अगले दिन जमीन को वाड्रा की कंपनी को स्थानांतरित भी कर दिया गया। जबकि आमतौर पर इस प्रक्रिया में तीन महीने का समय लगता है।

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने अखिलेश यादव को बताया हिंदू विरोधी, बरेली में दिया बड़ा बयान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा या हिंदू ऋषि मुनियों पर टिप्पणी करना सपा मुखिया की हिंदू विरोधी मानसिकता का हिस्सा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांवड़ यात्रा के दौरान हो रही घटनाओं के पीछे साजिश की आशंका जताई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चेंज ओवर के दौरान उनका स्वागत करने बरेली पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने सवाल जवाब के दौरान अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर हमला बोला। कहा कि कांवड़ यात्रा से बहुसंख्यक वर्ग की धार्मिक भावनाएं जुड़ी हैं। कांवड़ यात्रा को लेकर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर जो घटनाएं हो रही हैं, वो सुनियोजित साजिश का हिस्सा हो सकती हैं। संभव है कि इसके पीछे समाजवादी पार्टी की मानसिकता काम कर रही है, हालांकि पुलिस इसकी जांच कर रही है और इस बारे में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी।उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज है, अराजकता की इजाजत किसी को नहीं है तो दोषियों पर कार्रवाई जरूर होगी। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि कांवड़ यात्रा या हिंदू ऋषि मुनियों पर टिप्पणी करना सपा मुखिया की हिंदू विरोधी मानसिकता का हिस्सा है। इंडिया गठबंधन भी स्वार्थ और अवसरवाद का प्रतीक है और हिंदू विरोधी मानसिकता से ग्रसित है। किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने सभी समुदायों के त्योहार शांतिपूर्वक कराने के लिए व्यवस्था की है।शिक्षक के कांवड़ गीत पर जताई नाराजगी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को जब शिक्षक रजनीश गंगवार की लिखी गई कविता कांवड़ लेकर मत जाना तुम, ज्ञान का दीप जलाना की याद दिलाई गई तो उन्होंने इस पर भी नाराजगी जाहिर की। कहा कि हमें किसी भी धर्म की भावनाओं को आहत नहीं करना चाहिए। भारत में बड़ी संख्या में लोग अपने-अपने धर्म और परंपराओं के अनुसार जीवन जीते हैं। हमारी सरकार सभी धर्मों का सम्मान करती है। कुछ लोग जानबूझकर एक विशेष संप्रदाय को लक्ष्य करके विवाद खड़ा करते हैं जो अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

## भाषा पर राजनीति तेजः हिमंत बिस्व सरमा पर ममता बनर्जी का हमला, बोलीं- असम में बांग्लाभाषियों को डराया जा रहा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने असम की भाजपा सरकार पर बांग्लाभाषियों को धमकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बंगाली नागरिकों को उनकी भाषा और पहचान के लिए निशाना बनाया जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पलटवार करते हुए ममता पर केवल मुस्लिम बंगालियों का पक्ष लेने का आरोप लगाया। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में ममता बनर्जी ने कहा कि देश में बांग्ला दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है और असम में भी यह दूसरी सबसे आम भाषा है। ऐसे में जिन नागरिकों की मातृभाषा बांग्ला है और जो सभी धर्मों और भाषाओं का सम्मान करते हुए शांति से रहना चाहते हैं, उन्हें धमकाया जाना संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ है।भाजपा की भाषा और पहचान की राजनीति ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार असम में भाषा और धार्मिक पहचान को राजनीतिक हथियार बना रही है। उन्होंने कहा कि बंगाली भाषी लोगों को %अवैध बांग्लादेशी% या %रोहिंग्या% कहकर बदनाम किया जा रहा है, जिससे उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग किया जा सके। ममता ने इसे विभाजन की राजनीति करार देते हुए कहा कि असम की जनता अब इस रवैये के खिलाफ खड़ी हो रही है।

हिमंत बिस्व शर्मा का तीखा पलटवार इस बयान के जवाब में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि ममता बनर्जी को केवल मुस्लिम बंगालियों की चिंता है। उन्होंने कहा कि अगर ममता असम केवल मुस्लिम बंगालियों के लिए आती हैं तो असमिया लोग और हिंदू बंगाली उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने ममता के भाषणों को समुदाय विशेष तक सीमित बताया।

कोलकाता में निकाला गया विरोध मार्च- ममता बनर्जी ने बुधवार को कोलकाता की सड़कों पर उतरकर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों पर हो रहे कथित अत्याचार के खिलाफ विरोध मार्च भी निकाला था। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हर उस व्यक्ति के साथ खड़ी है जो अपनी भाषा, पहचान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ रहा है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर असम की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। ममता ने आरोप लगाया है कि असम में बांग्ला बोलने वाले लोगों को धमकाया जा रहा है और उनकी मातृभाषा, धर्म और पहचान को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इसे असंवैधानिक और भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा कि भाजपा का यह रवैया देश को बांटने वाला है और इसकी अब हद हो चुकी है।

## संपादकीय Editorial

# Corruption and ED, concrete action is necessary in serious cases

It is a fact that the record of ED and CBI is not very good in cases of corruption of politicians, bureaucrats and their close ones. This bad record proves the claims of fighting corruption to be hollow. No effective check is being put on the corruption of politicians, bureaucrats and their close ones. The way ED filed a chargesheet against Congress MP Priyanka Gandhi Vadra's husband and businessman Robert Vadra in the money laundering case related to Gurugram land scam, it seems that now it is serious in this matter. Due to this, Robert Vadra's troubles may increase, but this is not the first time that ED has shown readiness in investigating Robert Vadra's cases. It has done this earlier also, but its investigation did not proceed at the expected pace. Robert Vadra is not a politician, but everyone knows that he is associated with the politically powerful Gandhi family. The matter of his land in Gurugram came to light long ago. Then the question naturally arose that how could he do a land deal of Rs. 58 crores with his company worth just Rs. 1 lakh? Can anyone else get such a facility that one can buy land from someone and earn a lot of money by selling it at many times the price after some time? If ED is to be believed, Vadra did a big land deal without spending any money. It is clear that he was able to do so because he is Sonia Gandhi's son-in-law. In our country, people with political influence keep doing corruption openly and secretly. The irony is that in such cases, any concrete action is taken with difficulty. This difficulty is seen more in cases related to politicians. This difficulty is not only faced by ED, but also by CBI and other agencies. It is not hidden from anyone that in serious cases of corruption of politicians and bureaucrats, agencies like ED and CBI move forward at a very slow pace. Sometimes they show speed, sometimes they become sluggish. When this happens, the allegation of political misuse of government agencies arises. By resorting to this allegation, the leaders in the dock try to take electoral and political advantage. Sometimes they are successful too. In many cases it has also been seen that sometimes the investigation progressed, then it stopped or was put on hold and then suddenly it gained momentum. It is a fact that the record of ED and CBI in cases of corruption of leaders, bureaucrats and their close ones is not very good. This bad record proves the claims of fighting corruption to be hollow. No effective check is being put on the corruption of leaders, bureaucrats and their close ones. Even the Modi government is not able to do so. If corruption is to be really controlled then concrete action is necessary in big and serious cases.

# From royalty to self-reliance

This is not just a legal victory, but also a victory of Himachali rights and self-respect. After completion of twelve years of the Kadcham-Wangtu hydroelectric project, now the state will get 18 percent rights instead of 12 under the royalty formula. In this way, this project of 1045 MW capacity will generate resources of additional income of 150 crores and if this formula is implemented on the rest of the projects going through the same period, then the total income will increase by 250 crores. This was a legal battle, which has given new strength to the possibility of our rights. If Himachal gets its share of rights from water, forest and land, then we will become an example for the country on the map of making self-reliant Himachal, but we have not got justice till date. It will also be seen from this perspective that whenever efforts were made, we got it, otherwise there was a void in the list of rights. Long ago, when Shanta Kumar, as the Chief Minister, brought water to the level of electricity production in the resources of the state, we got royalty, which is now being taken forward by Sukhwinder Singh Sukhu. Undertakings of the Central Government will also come under this formula and then self-sufficiency will enter the treasury of the state by measuring the royalty. Sukhu government has added the property of Wild Flower Hall to its jurisdiction, and is fighting an important battle for the ownership rights of Shanan Power Project located in Jogindernagar. Obviously, after the lease of the hundred-year project expires, it will also be able to add about three hundred crores to the property of the state. The state government is trying to get exemption from levying cess on water and if it gets relief on this like Jammu-Kashmir and Uttarakhand, then the price of every drop will be fixed. After water, the definition of forest will have to be changed. The Center should either declare us an environmental state, evaluate this contribution and decide the annual package or allow new experiments in the income of the forest. By ridding Himachal of pine trees, the path of collective and community use of forest land should be opened so that the animals get adequate fodder and wild animals return there. A clear policy should be made to outline the production of fruits, tea, timber and herbal medicines in the future forests. After water and forests, the right to the land of Himachali existence is still controversial. The chapters of Punjab reorganization and the rights to the hilly region that came to Himachal are controversial. After Punjab reorganization, the 8.77 percent share given to Himachal in Chandigarh and other agreements has not been explained till date, whereas we also have 7.19 percent share in the capital of Punjab-Haryana. In this way, a claim can be made on at least four sectors of Himachal in Chandigarh itself. The question of even more important share resonates in those projects that only led to displacement in Himachal. Himachal's rights are hanging somewhere in the dams built under BBMB and the economic format that emerged from them. Anyway, the legal battle for Himachal's economic rights has got a new dimension and confidence in the controversial chapters. There is a need to find economic self-respect in the Himachali scenario, away from the mercy of the central government in Delhi. Some milestones have been crossed, but this phase of effort should continue with continuity for self-reliance. Now, there should be an investigation into the working style of the governments in comparison to the meaning of development, the scope of announcements and promises, which can tell how many steps of self-reliance have been taken and how far. When the Sukhu government changed its vision, language, thinking and strategy, the royalty increased from 12 percent to 18 percent. Similarly, the language and meaning. of struggle can be completely changed by the search for self-reliance.

# The discordant tune of democracy and constitution in danger, harmful for the opposition too

The leaders and political parties tarnish the difficult election process which is completed with a lot of hard work by adjusting the huge number of voters, candidates and parties in the country, frequency of elections, complexity of processes, technical-administrative challenges, communal and democratic sensitivity etc. in a minute. This is an unpardonable crime. Indian democracy and constitution have gone through many storms since the beginning. Initially, due to poverty, inflation, unemployment, partition, communal violence, refugee-rehabilitation, colonial mentality, Pakistan and China dispute etc., foreign scholars felt that democracy and constitution would collapse in India. The people of India, the government and the opposition proved them wrong. Today the situation is strange. The opposition parties not only keep making baseless allegations against the ruling BJP/NDA to oust it, but also try to defame the constitutional institutions, processes and the constitution of the country. This is like attacking the soul of democracy. Constitution, constitutional institutions and constitutional processes are the soul of democracy.

The opposition parties are constantly aggressive on these. Leader of Opposition Rahul Gandhi and leaders of other parties try to show by waving a copy of the Constitution as if the Constitution is in danger and they have to save it. There is a lot of difference between amending the Constitution and it being in danger. The Supreme Court's decision in the Kesavananda Bharati case is that the government/Parliament can change or amend the Constitution, but cannot make any changes in the 'basic structure' of the Constitution. The leaders who invoke the Constitution are themselves seen tearing apart the Constitution and the law. This includes leaders of all parties. It is clear that anyone talking about the Constitution being destroyed or in danger and a crisis for democracy is like spreading confusion and attacking the identity of the Constitution.

During its rule, the Congress not only tried to change the Constitution many times, but also tried to destroy it. In 1959, Prime Minister Nehru arbitrarily used Article 356 by unnecessarily dissolving the elected leftist government of Namboodiripad in Kerala. In June 1975, Prime Minister Indira Gandhi imposed emergency under Article 352 on the grounds of 'internal disturbance' to save her government and by ignoring democracy and the constitution, thousands of leaders and innocent people were sent to jail under harsh laws like 'MISA' and 'DIR'. There was no provision of 'appeal, argument and lawyer' in these. Leaders of many parties, who were put in jails by the Congress during the emergency, are also seen standing with the same Congress today due to their opposition to Modi. 'Censorship' was imposed on newspapers during the emergency. During the same period, the Congress made some major changes in the constitution through the 42nd constitutional amendment and added such provisions which were rejected by the constitution-makers. Indira Gandhi did not even spare the Supreme Court and by ignoring three senior judges, made Justice AN Ray the Chief Justice. The opposition has been targeting constitutional institutions and especially the Election Commission for a long time. Since elections are the ladder to power, it has become quite easy for the opposition to accuse and defame the Election Commission after losing the Lok Sabha elections and becoming irrelevant in many states. Sometimes it points fingers at the appointments and decisions of the Election Commissioners, sometimes it accuses them of working at the behest of the BJP, sometimes it tries to destroy the image of the Election Commission by raising the issue of EVMs, irregularities in the voter list, delay in providing data, party bias etc. In many states, illegal intruders from Bangladesh, Nepal and Myanmar etc. have got their names in the voter lists of many constituencies by obtaining documents like Aadhaar, PAN, ration card, voter identity card etc. through fraudulent means.

This is a threat to democracy and national security, because only Indian citizens have the right to vote. The Election Commission has taken a tough stand on this and has decided to do a 'thorough revision of voter lists' in all the states. In Bihar, it has already taken the initiative to identify such people, but the opposition has objections to this and has also challenged it in the Supreme Court. The court did not stop this action of the Commission. It remains to be seen what the court's final decision is on this. Rahul Gandhi has been questioning the impartiality of the Election Commission even abroad. Last April, he accused the Indian election system of 'serious irregularities' at Brown University in the US and specifically mentioned irregularities in the voter list in Maharashtra. When the Leader of the Opposition makes such baseless allegations on democracy and constitutional institutions abroad, not only will the global image of Indian democracy be tarnished, but doubts will also arise in the minds of the public. The difficult election process, which is completed with great hard work by adjusting the huge number of voters, candidates and parties in the country, the frequency of elections, the complexity of the processes, technical-administrative challenges, communal and democratic sensitivity, etc., is tarnished in a minute by the leaders and political parties. This is an unpardonable crime. It is possible that in the election process some officers and employees make mistakes in some constituency, there is some error knowingly or unknowingly in some areas, some irregularities are also seen in the voter lists, but the Election Commission determines its responsibility and takes action against the identified people. The government also punishes the culprits as per the law, but it is inappropriate and undesirable for the opposition to malign the constitution, constitutional institutions and processes. If the opposition parties do not give up their aggressive attitude towards democracy, constitution, constitutional institutions and constitutional processes, then the public's faith in democracy and the constitution may decrease which will be harmful for democracy, the ruling party and the opposition.

# अपर आयुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

अपर आयुक्त श्री सर्वेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित हुई। समीक्षा बैठक के दौरान एजेण्डावार मण्डल के अन्तर्गत निर्यातकों एवं औद्योगिक संगठनों की समस्याओं पर विचार -विमर्श किया गया। बैठक में प्रेम वण्डर लैंड के समीप स्थित सम्पार संख्या 413-ए पर दूसरे चरण में अतिरिक्त दो लेन उपरिगामी सेतु के निर्माण के सम्बन्ध में उप परियोजना प्रबन्धक द्वारा बताया गया इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना में सम्मिलित कर प्रस्ताव शासन को अनुमोदन हेतु भेजा जा चुका है। अपर आयुक्त द्वारा जनपद में डियर पार्क के संचालन के सम्बन्ध में डीएफओ मुरादाबाद को कार्यवाही हेतु एवं गागन नदी के किनारे-किनारे कूड़ा कचरा डालने वालों पर अब तक की गयी कार्यवाही के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पूरी जिम्मेदारी सिंचाई विभाग की है साथ ही नगर निगम एवं प्रदूषण विभाग को भी इसमें कार्यवाही के निर्देश दिए। ई-वेस्ट रिसाक्लिंग के सम्बन्ध में नगर निगम के प्रतिनिधि को डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण एवं जागरूकता अभियान चलाकर कूड़ा संग्रहण की प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही किये जाने एवं इसका प्रचार -प्रसार कराते हुए संवेदनशील अपशिष्ट का डिस्पोजल कराये जाने के निर्देश दिये गये। डोलरा गांव निकट दलपतपुर मुरादाबाद में ड्राइपोर्ट परियोजना के लिए सड़क चौड़ीकरण की मंजूरी के सम्बन्ध लोक निर्माण विभाग द्वारा बताया गया कि लगमग 6 मीटर रोड बन गयी है शेष स्टीमेट बनाकर शासन को भेजा जा चुका है, स्वीकृति के पश्चात कार्य करा दिया जायेगा। रामपुर दोराहा (ग्राम बरवाला मझरा) की पानी निकासी हेतु नाले के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग को सर्वे करते हुए टैक्निकल राय प्राप्त करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही उद्योग बंधु समिति की बैठक प्रत्येक माह जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित कराने एवं जिन समस्याओं का निस्तारण जिले स्तर पर न हो रहा हो उसे मण्डल स्तर पर मण्डलीय समिति को अग्रसारित किये जाने के निर्देश मण्डल के समस्त उपायुक्त उद्योगों को दिये गये। मा0 राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0 की संशोधित अधिसूचना दिनांक 14.07.2025 के द्वारा दिए गये गये निर्देशों के अनुपालन में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज सिंह ने जनपद मुरादाबाद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का आयोग द्वारा जारी संशोधित समय सारणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई 2025 से 18 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति व विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिन्ट करने की कार्यवाही बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन, उन्हें तत्संबंधी जानकारी देना, प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का विवरण दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेगी। दिनांक 19 अगस्त 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधि (01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे) ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि 19 अगस्त 2025 से 22 सितम्बर 2025 तक है। ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जांच करने की अवधि 23 सितम्बर 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक है। निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि 30 सितम्बर 2025 से 06 अक्टूबर 2025 तक है। ड्राफ्ट नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के पाण्डुलिपि तैयार करना (निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही की तिथि 07 अक्टूबर 2025 से 24 नवम्बर 2025 तक है। निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्रध्स्थलों का क्रमाकंन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियों कराने आदि की तिथि 25 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक है। अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन की तिथि 05 दिसम्बर 2025 है। आलेख्य के रुप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण की तिथि 06 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक है। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की तिथि 06 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक है (01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किए जाएंगे। दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण की तिथि 13 दिसम्बर 2025 से 19 दिसम्बर 2025 तक है। दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करने, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय में जमा करने की अवधि 20 दिसम्बर 2025 से 23 दिसम्बर 2025 तक है। दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही की तिथि 24 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक है।पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमाकंन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग , फोटो प्रतियां कराने आदि की तिथि 09 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक है। निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन की तिथि 15 जनवरी 2026 है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त संबंधित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाये। निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे तथा समय सारणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जाये। किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नही बढ़ाई जाएगी। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्री सत्यवीर सिंह ने बताया कि महाप्रबन्धक उ0प्र0 माटीकला बोर्ड, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में माटीकला टूल- किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत माटीकला विधा के व्यक्तिगत कारीगरों को नि:शुल्क विद्युत चालित चाक (पाटरी व्हील) वितरण हेतु शासन से लक्ष्य प्राप्त हो चुके है। जनपद मुरादाबाद के ऐसे ग्रामीण/शहरी क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार नवयुवक/नवयुवतियां, जिनकी आयु 18 वर्ष से 55 वर्ष के मध्य हो एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परम्परागत कारीगर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। किन्तु उन्हें भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार से किसी भी योजना में टूल किट्स न मिला हो ऐसे अभ्यर्थी आवेदन के लिए पात्र होगें। उक्त के अतिरिक्त स्वयं सहायता समूह में परम्परागत कारीगर भी पात्र होगें। प्राप्त आवेदन पत्रों का चयन शासन द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा। योजना के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है। अभ्यर्थी अन्तिम दिनांक 25 जुलाई 2025 तक आवेदन कर हार्डकापी कार्यालय में जमा कर सकते है। आवेदक ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट (upmatikalaboard.in) पर कर सकते है। विस्तृत जानकारी हेतु मोबाइल नं0 9580503151 एवं 8191967279 या जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, एम0आई0जी0ए0 एम0-6 दीन दयालनगर, मुरादाबाद से भी सम्पर्क कर सकते है।

# जिला एवं तहसील स्तर पर प्राविधिक स्वयंसेवक पद के लिए 23 जुलाई 2025 तक करें आवेदन

जिला स्तर पर 30, तहसील बिलारी में 13, तहसील कांठ में 13, तहसील ठाकुरद्वारा में 11 और तहसील सदर में 12 सहित कुल 79 पराविधिक स्वयंसेवकों की होगी नियुक्ति। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जारी किए विस्तृत दिशा निर्देश। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न योजनाओं को संचालित करने एवं आम जनमानस को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरादाबाद द्वारा जनपद स्तर एवं तहसील स्तर पर कार्य करने के लिए पराविधिक स्वयंसेवक के पदों पर इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोहम्मद फिरोज ने बताया कि पराविधिक स्वयंसेवक पद के लिए निर्धारित योग्यता में आवेदक की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के रूप में वह साक्षर होना चाहिए तथा मैट्रीकुलेट पास आवेदक को अधिमान्यता प्रदान की जाएगी। पराविधिक स्वयंसेवक की नियुक्ति हेतु आवेदन शिक्षक (सेवानिवृत शिक्षक सहित), सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी गण एवं वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्य परास्नातक के छात्र एवं शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, चिकित्सक/फिजिशियन छात्र एवं विधिक छात्र (उनके अधिवक्ता पंजीकृत होने तक), गैर राजनीतिक सेवा उन्मुख गैर शासकीय संगठनों एवं क्लबों के सदस्य, महिला पड़ोस समूह और अन्य स्वयं सहायता समूह के सदस्य गण, कारागार में लंबी अवधि की सजा काट रहे अच्छा व्यवहार करने वाले शिक्षित बंदी, ऐसे अन्य व्यक्ति जिन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अथवा तहसील विधिक सेवा समिति पराविधिक स्वयंसेवक के रूप में उपयुक्त समझे। पराविधिक स्वयंसेवक के लिए केवल स्थानीय व्यक्तियों को ही चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विशेष प्रतिभावान खिलाड़ी, विशिष्ट कलाकार, विलक्षण एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति जिसने किसी भी क्षेत्र में उल्लेखनीय कौशल का प्रदर्शन किया हो, ऐसे व्यक्तियों को पराविधिक स्वयंसेवक के रूप में वरीयता प्रदान की जाएगी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार अधिवक्ता गण को पराविधिक स्वयंसेवक के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया जाएगा। पराविधिक स्वयंसेवक पद के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए और अधिकतम आयु सीमा पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने नियम एवं शर्तों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि जिला मुख्यालय के लिए 30 और तहसील बिलारी में 13, तहसील कांठ में 13, तहसील ठाकुरद्वारा में 11 तथा तहसील सदर में 12 सहित कुल 79 पराविधिक स्वयंसेवक की नियुक्ति की जाएगी। 30 प्राविधिक स्वयंसेवक की चयन सूची जिनमें से कार्य की आवश्यकता के अनुसार भविष्य में यदि अतिरिक्त पीएलवी का संयोजन करना होगा तो चयन सूची के साथ तैयार प्रतीक्षा सूची को अन पीएलवी के साथ कार्य करने के लिए वरिष्ठता के क्रम में संबद्ध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसी भी स्तर पर पराविधिक स्वयंसेवक की कार्य की आवश्यकता को देखते हुए निर्धारित स्थान पर उनकी संख्या कम या अधिक की जा सकती है तथा आवश्यकता के अनुसार पराविधिक स्वयंसेवक को एक स्थान से दूसरे स्थान पर नियुक्त किया जा सकेगा। स्वयंसेवक की नियुक्ति चयन उपरांत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने की तिथि से 1 वर्ष के लिए की जाएगी और यह नियुक्ति प्राविधिक स्वयंसेवक गण योजना मार्गदर्शिका के अनुरूप होगी। आवेदक अपना आवेदन कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरादाबाद को 23 जुलाई 2025 को सांय 5:00 बजे तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रेषित कर सकते हैं। अपूर्ण आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्र में आवेदक अपने कार्य करने हेतु इच्छित स्थल या तो जिला मुख्यालय अथवा तहसील स्तर पर कार्य करने की मंशा अनिवार्य रूप से व्यक्त करेगा। पराविधिक स्वयंसेवक को कार्य हेतु प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर नियत मानदेय के अतिरिक्त कोई वेतन/पराश्रमिक अथवा भत्ता नहीं दिया जाएगा। आचरण एवं कार्य संबंधी पश्चातवर्ती किसी भी योग्यता के आधार पर पराविधिक स्वयंसेवक को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरादाबाद द्वारा सेवा से किसी भी समय अवमुक्त किया जा सकता है। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रस्तुत करना होगा और आवेदन पत्र में जरूरी सभी सूचनाओं को अनिवार्य रूप से भरकर निर्धारित स्थान पर नवीनतम पासपोर्ट साइज का फोटो लगाकर स्वप्रमाणित अवश्य करें। आवेदन पत्र के साथ समस्त शैक्षिक अभिलेख व प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक अभिलेख की स्वप्रमाणित छाया प्रति एवं पासपोर्ट साइज की दो फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति, जनपद मुरादाबाद के स्थाई निवासी हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र की सत्य प्रतिलिपि अनिवार्य रूप से संलग्न करें। उन्होंने बताया कि कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरादाबाद से व्यक्तिगत संपर्क कर अथवा जनपद न्यायालय मुरादाबाद की आधिकारिक वेबसाइट districts.ecourt.gov.in/moradabad पर Recruitment ऑप्शन पर क्लिक करके आवेदन पत्र/फॉर्म डाउनलोड करके प्राप्त कर सकते हैं। 22 जुलाई को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में शुरू होगा दो दिवसीय रोजगार मेला, युवाओं के लिए विभिन्न कंपनियों में रोजगार का मौका। सहायक निदेशक सेवायोजन श्री रत्नेश चन्द्र ने बताया कि क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर में दिनांक 22 जुलाई 2025 को प्रातः 10:30 बजे से दो दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के नियोजक/कम्पनी द्वारा टैक्निकल एवं नॉनटैक्निकल पदों के लिए साक्षात्कार लिया जायेगा। इन पदों के लिए आयु 18-40 वर्ष एवं शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इण्टर, आईटीआई एवं डिप्लोमा धारक मेले में प्रतिभाग कर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थी rojgaarsangam.up.gov.in पोर्टल पर पंजीयन कराकर अपनी योग्यतानुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। साथ ही अभ्यर्थी रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए अपना सम्पूर्ण बायोडाटा दो प्रतियों (हस्तलिखित अथवा टंकित), समस्त मूल प्रमाण पत्र की छायाप्रति दो सेट में व चार रंगीन फोटो सहित प्रतिभाग कर सकते हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

## संक्षिप्त समाचार

### सपा सांसद इकरा हसन पर अशोभनीय टिप्पणी, करणी सेना नेता के सोशल मीडिया पर की पोस्ट

करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राणा के फेसबुक पेज पर समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन के खिलाफ की

गई आपत्तिजनक टिप्पणी से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सपा ने इसे महिला जनप्रतिनिधि का अपमान बताते हुए नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। पोस्ट के वायरल होने पर उसे हटा दिया गया है। करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राणा के फेसबुक पेज पर हुए एक पोस्ट ने राजनीतिक माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है। इस पोस्ट में कैराना की सपा सांसद इकरा हसन के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की गई है। इस टिप्पणी को सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक दृष्टि से बेहद आपत्तिजनक माना जा रहा है।%फेसबुक पर साझा की गई इस पोस्ट में सपा सांसद के खिलाफ हुई टिप्पणी को लेकर सपा में खासी नाराजगी देखी जा रही है। जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने कहा कि सार्वजनिक मंच पर एक निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि का यह अपमान है। इस टिप्पणी को लेकर सपा अपना विरोध जताएगी और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करेगी।सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी के साथ वायरल हुई। तीखी प्रतिक्रियाएं आने लगी तो इस पोस्ट को पेज से डिलीट कर दिया गया। इस पोस्ट पर लोगों ने इस टिप्पणी को महिला विरोधी और सामाजिक सद्भाव को चोट पहुंचाने वाला बताया। वहीं दूसरी ओर योगेंद्र सिंह राणा से जब इस संदर्भ में जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका। जिस फेसबुक पेज पर यह पोस्ट किया गया है उसपर योगेंद्र सिंह राणा के ही अन्य पोस्ट मौजूद हैं। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह का कहना है कि इस संदर्भ में कोई भी लिखित शिकायत नहीं प्राप्त हुई है। अगर कोई शिकायत आती है तो मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

### 65 साल के बुजुर्ग पर लगा कुकर्म पर आरोप, आहत होकर जहरीला पदार्थ खाकर दी जान, परिजनों ने नहीं दी तहरीर

बुजुर्ग की पत्नी की 15 वर्ष पहले मौत हो चुकी है। दो बेटे हैं जो दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं। बुजुर्ग पर आरोप लगा था कि बृहस्पतिवार की रात 15 वर्षीय मूकबधिर किशोर को घर में बुलाया था और कुकर्म की घटना को अंजाम दिया था।हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र में 65 वर्षीय बुजुर्ग ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी है। बुजुर्ग पर 15 वर्षीय किशोर से कुकर्म करने का आरोप लगा था। इसमें पंचायत भी हुई थी और लोगों ने अपमानित किया था। इसके बाद ही बुजुर्ग ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। जिला अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।बुजुर्ग की पत्नी की 15 वर्ष पहले मौत हो चुकी है। दो बेटे हैं जो दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं। बुजुर्ग पर आरोप लगा था कि बृहस्पतिवार की रात 15 वर्षीय मूकबधिर किशोर को घर में बुलाया था और कुकर्म की घटना को अंजाम दिया था। इसकी जानकारी किशोर के परिजनों को हुई तो मामला अन्य लोगों तक पहुंच गया। इसके बाद पंचायत की गई। जिसमें लोगों ने बुजुर्ग को अपमानित किया था।शुक्रवार की दोपहर बुजुर्ग ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। इससे हालत बिगड़ गई। आसपड़ोस के लोग जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। थाना प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि बुजुर्ग की मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# अखिलेश यादव को हिंदू विरोधी बताया भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने

पं सत्यमशर्मा

**क्यूँ न लिखूँ सच** / बरेली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चेंज ओवर के दौरान उनका स्वागत करने बरेली पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने सवाल जवाब के दौरान अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर हमला बोला। कहा कि कांवड़ यात्रा से बहुसंख्यक वर्ग की धार्मिक भावनाएं जुड़ी हैं। कांवड़ यात्रा को लेकर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर जो घटनाएं हो रही हैं, वो सुनियोजित साजिश का हिस्सा हो सकती हैं। संभव है कि इसके पीछे समाजवादी पार्टी की मानसिकता काम कर रही है, हालांकि पुलिस इसकी जांच कर रही है और इस बारे में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज है, अराजकता की इजाजत किसी को नहीं है तो दोषियों पर कार्रवाई जरूर होगी। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि कांवड़ यात्रा या हिंदू ऋषि मुनियों पर टिप्पणी करना सपा मुखिया की हिंदू विरोधी मानसिकता का हिस्सा है। इंडिया गठबंधन भी स्वार्थ और अवसरवाद का प्रतीक है और हिंदू विरोधी मानसिकता से ग्रसित है। किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने सभी समुदायों के त्योहार शांतिपूर्वक कराने के लिए व्यवस्था की है। शिक्षक के कांवड़ गीत पर जताई नाराजगी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को जब शिक्षक रजनीश गंगवार की लिखी गई कविता कांवड़ लेकर मत जाना तुम, ज्ञान का दीप जलाना की याद दिलाई गई तो उन्होंने इस पर भी नाराजगी जाहिर की। कहा कि हमें किसी भी धर्म की भावनाओं को आहत नहीं करना चाहिए। भारत में बड़ी संख्या में लोग अपने-अपने धर्म और परंपराओं के अनुसार जीवन जीते हैं। हमारी सरकार सभी धर्मों का सम्मान करती है। कुछ लोग जानबूझकर एक विशेष संप्रदाय को लक्ष्य करके विवाद खड़ा करते हैं जो अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# बुजुर्ग पर टूटकर गिरा बिजली का पोल, मौत के बाद लोगों का हंगामा

पं सत्यमशर्मा

**क्यूँ न लिखूँ सच** / बरेली। नवाबगंज शनिवार सुबह दर्दनाक हादसा पेश आया। बिजली कर्मचारियों की लापरवाही से पोल टूटकर रास्ते से गुजर रहे बुजुर्ग पर जा गिरा। जिससे मौके पर ही बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के बाद पोल पर काम कर रहे बिजली कर्मचारी मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों ने जमकर हंगामा काटा। पूरा मामला नवाबगंज के गांव खंजनपुर का है। यहां बिजली के पोल पर विभाग के कर्मचारी काम कर रहे थे। लाइन दुरुस्त करने के लिए कर्मचारियों ने तार खींचा तो तार के साथ-साथ पोल भी खिंचा चला आया और दो हिस्सों में बंट गया। पोल रास्ते से गुजर रहे गांव के ही रहने वाले 80 वर्षीय रिटायर्ड शिक्षक नारायण लाल पर जा गिरा।

सर पर गहरी चोट आने से वह लहूलुहान हो गए और मौके पर ही मौत हो गई। मृतक नारायण लाल के तीन लड़के और दो लड़कियां हैं। हादसे के वक्त दो लड़के कांवड़ लेकर घर से निकले ही थे। कांवड़ लेकर दोनों बरेली तक पहुंचे थे। पिता की मौत की सूचना मिलने के बाद वापस लौट आए। उधर इस दर्दनाक हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

# कम किराये में करिए लग्जरी यात्रा, बरेली होकर गुजरेगी अमृत भारत एक्सप्रेस , समय सारिणी जारी हुई

पं सत्यमशर्मा

**क्यूँ न लिखूँ सच** / बरेली। बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की समय सारिणी और नंबर बीते दिवस को जारी कर दिया गया। 15567-68 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन 29 जुलाई से अप-डाउन सप्ताह में दो-दो दिन किया जाएगा। बरेली जंक्शन पर इसे दो मिनट का ठहराव दिया गया है। इससे पहले शुक्रवार सुबह 3:55 बजे ट्रायल ट्रेन बरेली होकर गुजरी। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी समय सारिणी के अनुसार 15567 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस 29 जुलाई से प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को बापूधाम से सुबह आठ बजे चलने के बाद सगाउली, बेतिया, नरकटियागंज, हरिनगर, बगहा, सिसवा बाजार, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर, गोंडा, लखनऊ होते हुए रात 1:10 बजे बरेली आएगी। यहां से मुरादाबाद, गाजियाबाद होते हुए अगले दिन सुबह 6:10 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

# युवक की संदिग्ध हालत में मौत, शराब में जहर देकर हत्या का आरोप

पं सत्यमशर्मा

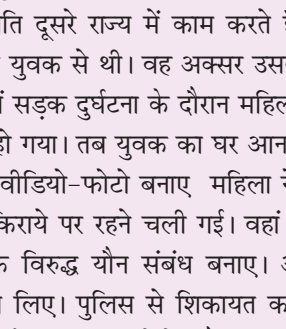

क्यूँ न लिखूँ सच /बरेली। सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसके परिजनों ने शराब में जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। उन्होंने थाना पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक गांव चौबारी निवासी 35 वर्षीय प्रदीप सिंह पुत्र शिशुपाल सीबीगंज थाना क्षेत्र स्थित एक्सपोर्ट कैमिकल फैक्टरी में काम करता था। शुक्रवार रात वह सुभाषनगर थाना क्षेत्र के एंड्रूज कॉलेज के पास बेहोशी की हालत में मिला। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसने दम तोड़ दिया। प्रदीप के भाई अजय ने गांव के ही कुछ लोगों पर शराब में जहर मिलाकर पिलाने व हत्या करने का आरोप लगाकर तहरीर दी है। सुभाषनगर थाना पुलिस मामले में जांच कर रही है।

# घायल मित्र को देखने के बहाने घर आए दोस्त ने किया पत्नी से दुष्कर्म

पं सत्यमशर्मा

**क्यूँ न लिखूँ सच** /बरेली। सड़क हादसे में घायल युवक के दोस्त ने ऐसी करतूत की, जिसे जानकर उसके होश उड़ गए। घायल से मिलने के बहाने दोस्त का उसके घर आना-जाना बढ़ गया। आरोप है कि इस दौरान दोस्त ने उसकी पत्नी से दुष्कर्म किया। इसके बाद अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। पीड़ित महिला ने इज्जतनगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। शाही थाना क्षेत्र की महिला ने पुलिस को बताया कि वह इज्जतनगर थाना क्षेत्र में रहती थी। पति दूसरे राज्य में काम करते हैं। उनकी दोस्ती हल्द्वानी निवासी युवक से थी। वह अक्सर उसके घर आता था। अगस्त 2024 में सड़क दुर्घटना के दौरान महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया। तब युवक का घर आना-जाना और बढ़ गया। अश्लील वीडियो-फोटो बनाए महिला ने बताया कि वह शास्त्रीनगर में किराये पर रहने चली गई। वहां पति के दोस्त ने उसकी इच्छा के विरुद्ध यौन संबंध बनाए। अश्लील वीडियो और फोटो बना लिए। पुलिस से शिकायत करने की चेतावनी दी तो उसने उसके अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। दूसरी कॉलोनी में जाकर रहने पर आरोपी ने वहां पहुंचकर भी दुष्कर्म की कोशिश की। विरोध पर महिला की पिटाई कर दी।

# डिलारी क्षेत्र में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, यूरिया खाद की 125 बोरियां ज़ब्त

पं सत्यमशर्मा

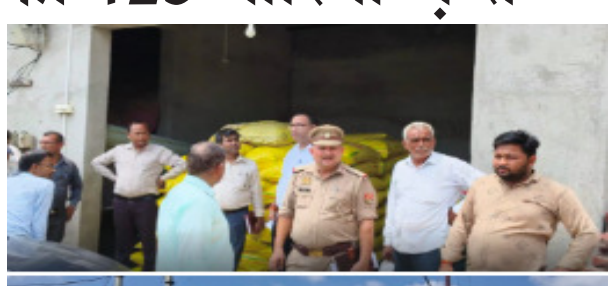

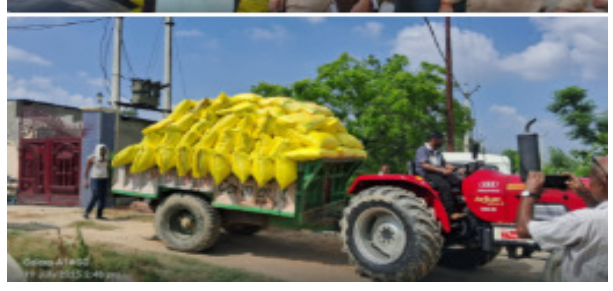

**क्यूँ न लिखूँ सच** / डिलारी। थाना डिलारी क्षेत्र के गांव महेशपुर में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रात करीब 10:00 बजे छापेमारी कर 125 से अधिक यूरिया खाद की बोरियां ज़ब्त की हैं। कार्रवाई की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस व कृषि विभाग की संयुक्त टीम पहुंची। छापेमारी के दौरान पाई गई समस्त बोरियों को कृषि विभाग द्वारा सील कर लिया गया है।

आपको बता दे की डिलारी थाना क्षेत्र के गांव महेशपुर विकासखंड डिलारी में दीपक कुमार जोकि पेक्स समिति नन्नूवाला में लेखाकार के पद पर कार्यरत हैं। उनके घर पर 125 बाग यूरिया के पाए जाने की सूचना मिलने पर अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय आदित्य कुमार नायब तहसीलदार ठाकुरद्वारा एवं प्रवीण तेवतिया उप निरीक्षक थाना डिलारी अनुज कुमार के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय दीपक कुमार मौके पर उपस्थित नहीं हुई जिससे मौके पर पाए गए 125 यूरिया बाग के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी प्राप्त न हो सकी। इसके बाद यूरिया स्टॉक एक वाहन मंगाकर राजकीय कृषि बीज भंडार ठाकुरद्वारा भिजवा कर केंद्र प्रभारी के अभिरक्षा में दे दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह खाद अवैध रूप से जमा की गई थी, जिसे ऊंचे दामों पर बेचने की तैयारी थी। फिलहाल मामले की जांच जारी है और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि किसानों के हित में इस तरह की कालाबाजारी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर राजेंद्र पाल सिंह जिला कृषि अधिकारी, आदित्य कुमार नायब तहसीलदार ठाकुरद्वारा,प्रवीण तेवतिया उपनिरीक्षक थाना डिलारी, अनुज कुमार, मोहित कुमार,लेखपाल सहित आदि लोग मौजूद रहे।

## वन एवं पर्यावरण मंत्री ने विशिष्ट वनों की स्थापना का किया शुभारम्भ

# ऑक्सी वन के अंतर्गत पाकड, पीपल, बरगद व नीम एवं अन्य प्रजातियों का किया रोपण

पं सत्यमशर्मा

**क्यूँ न लिखूँ सच** / बरेली। वृक्षारोपण महा अभियान-2025 के अन्तर्गत विशिष्ट वनों की स्थापना का शुभारम्भ किया गया, जिसके क्रम में आज रेलवे कॉलोनी परिसर रोड नम्बर 8 पर 1.00 हैक्टेयर क्षेत्र में ऑक्सी वन की स्थापना की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ0 अरुण कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि द्वारा पीपल का पौधा रोपित कर किया गया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा बताया गया कि ऑक्सी वन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में वायु प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण संतुलन, शहरी जैवविविधता संरक्षण के दृष्टिगत ग्रीन लंग्स के रूप में ऑक्सी वन की स्थापना किया जाना है। ऑक्सी वन सभी नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों व नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित किये जाने हैं। ऑक्सी वन के अंतर्गत मुख्य रूप से पाकड, पीपल, बरगद व नीम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियों का रोपण किया गया। 19 जुलाई से 15 अगस्त तक विभिन्न प्रकार के वनों की स्थापना वन विभाग द्वारा की जायेगी, जिसमें मुख्य रूप से अटल वन, शौर्य वन, शक्ति वन, त्रिवेणी वन, एकता वन आदि है। इस प्रकार के वनों की स्थापना का मुख्य उददेश्य आम जनमानस को वृक्षारोपण कार्यक्रम से भावनात्मक रूप से जोड़ना है। कार्यक्रम में मा0 विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह एवं बहोरनलाल मौर्य, प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भण्डारी, पार्षद सुधा सक्सेना, केन्द्रीय विद्यालय के बच्चे व शिक्षक, गंगा समग्र संस्था के अखिलेश सिंह, वैभव चौधरी, क्षेत्रीय वनाधिकारी, अन्य संस्थाओं व संगठन के व्यक्ति उपस्थित रहें।

# 20 जुलाई से 30 अगस्त के मध्य होगा ग्राम स्तरीय गन्ना सर्वे व सट्टा प्रदर्शन

अरविंद कुमार

**क्यूँ न लिखूँ सच** / पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया है। अब ग्राम स्तरीय सर्वे और सट्टा प्रदर्शन कार्यक्रम 20 जुलाई से 30 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। सर्वे के दौरान जो भी आंकड़े प्राप्त हुए हैं, उसके आधार पर गन्ना सट्टा आगणित करते हुये वर्तमान में ग्राम स्तरीय सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन कार्यक्रम 20 जुलाई से 30 अगस्त तक चलाया जायेगा। एक मई से जिले भर में गन्ना सर्वे का काम शुरू किया गया था, जो अब पूरा कर लिया गया है। सर्वे कार्य के लिए गन्ना विकास विभाग एवं चीनी मिलों की 145 सर्किल बनायीं गयी थी। 30 जून 2025 तक गन्ना सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। इस दौरान 2.36 किसानों के 5.02 लाख प्लॉटों का गन्ना सर्वे किया गया। गन्ना क्षेत्रफल इस वर्ष 1.07 लाख हे. दर्ज किया गया है जो कि विगत वर्ष के बराबर है। सर्वे के बाद ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टा प्रदर्शन की तैयारियां शुरू कर दी गई है। 20 जुलाई से 30 अगस्त 2025 तक ग्राम स्तरीय सर्वे व सट्टा प्रदर्शन का कार्य किया जायेगा। यह कार्य चीनी मिल एवं गन्ना विकास विभाग के गन्ना पर्यवेक्षको द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा। गांव के सार्वजानिक स्थल पर प्लॉटवार गन्ना सर्वेक्षण, किस्मवार गन्ना क्षेत्रफल, किसानवार आगणित बेसिक कोटा से सम्बंधित सूचना का प्रदर्शन निर्धारित प्रारूप (63 कालम) पर किया जायेगा। इसकी एक प्रति किसानो को भी उपलब्ध करायी जायेगी। इसी प्रारूप पर सबसे नीचे किसान के हस्ताक्षर भी कराये जायेगे, जहाँ लिखा होगा। इस अवसर पर शत प्रतिशत किसानों के मोबाइल नंबर सही कराने की जिम्मेदारी गन्ना पर्वेक्षक की होंगी, क्योकि पेराई सत्र के दौरान एसएमएस पर्ची ही किसानो के पंजीकृत मोबाइल पर भेजी जायेगी। अगर गन्ना सर्वे मे कोई कमी है, तो किसान मौके पर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते है। जिसका परिक्षण कर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक द्वारा सही किया जायेगा। राजस्व खतौनी से गन्ना सर्वे का शत प्रतिशत मिलान किया जायेगा। प्रत्येक गन्ना पर्वेक्षक मिलान बाद पाये गये फर्जी, डबल, मृतक, भूमिहीन, भूमि से अधिक गन्ना क्षेत्रफल वाले किसानो की सूचना के साथ साथ अपने सर्किल के शत प्रतिशत मिलान का प्रमाण पत्र ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक को उपलब्ध कराएंगे। कार्य की प्रगति से जिला गन्ना अधिकारी को प्रतिदिन अवगत करायेगे। जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम ने बताया कि गन्ना सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। किसान अपना गन्ना सर्वे-सट्टा, बेसिक कोटा कृषि योग्य भूमि, गाना क्षेत्रफल बैंक खाता मोबाइल नंबर आधार नंबर को भलि भांति अपनी आपत्ति अपने गन्ना पर्यवेक्षक को दर्ज करा दें।जिससे उसका निस्तारण किया जा सके।

# गांव मंडरिया क़े लोगो मे बाघ कि अभी भी है दहशत बरक़रार

♦ न्यूरिया क्षेत्र के डंडिया गांव के खेतो मे बाघ को खोजती वन विभाग की टीम

अरविंद कुमार

**क्यूँ न लिखूँ सच** / न्यूरिया थाना क्षेत्र क़े गांव मंडरिया क़े लोगो मे बाघ कि अभी भी है दहशत सुबह बाघ ने गांव क़े एक किशोर पर हमला कर उसे घ्याल कर दिया था और उसके बाद बाघ ने महिला कृष्णा देवी पर हमला कर मौत क़े घाट उतार दिया था जिसको लेकर ग्रामीणों मे वन विभाग क़े खिलाफ आक्रोश था सुचना पर घटनस्थल पर पहुंचकर जिलाधिकारी भी पुलिस अधीक्षक व विधायक जी ने ग्रामीणों समझकर शांत करया था और ग्रामीणों ने वन विभाग को 24 घंटे मे बाघ को पकड़ने का समय दिया था लेकिन आज घटना को तीन दिन हो गए है लेकिन बाघ वन विभाग कि पकड़ से अभी दूर है गुरुवार कि रात से बाघ को महेश पुर क़े खेतो मे देखा गया था उसी दिन से वन विभाग कि टीम ने बाघ को पकड़ने क़े लिए महेशपुर मे पूरी टीम लगी थी लेकिन अब बाघ को ग्रामीणों ने डांडिया गांव क़े खेतो मे देखा गया था लेकिन मंडरिया गांव से डंडिया गांव कि दूरी लगभग चार से पांच किलो मीटर है वन विभाग क़े डिप्टी रेंजर शेर सिंह ने बतया कि महेशपुर से हशिपुर खकरा नदी पार करके डंडिया गांव क़े खेतो मे पग चिन्ह मिले थे वन विभाग कि टीम डांडिया गांव मे बाघ को पकड़ने क़े लिए लगी है लेकिन अभी तक बाघ कि कोई हल चल नहीं मिली है बाघ पकड़ने क़े लिए वन विभाग कि टीम 24घंटे लगी है

# हिंदू जागरण मंच के राजीव उर्फ लवकुश साहू बने नगर अध्यक्ष

**क्यूँ न लिखूँ सच** / रिठौरा। हिंदू जागरण मंच एवं स्वाभिमान सुरक्षा समिति के जिला अध्यक्ष अरूण कुमार फौजी ने रिठौरा के राजीव उर्फ लवकुश साहू को नगर अध्यक्ष मनोनीत किया है। राजीव उर्फ लवकुश साहू के अध्यक्ष बनने पर कृष्ण कुमार गुप्ता, तेजपाल सक्सेना, सर्वेश सैनी, पूर्व नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा, प्रदीप सागर आदि ने खुशी जताई है।

# मुंडिया अहमदनगर में कांवरियों को भंडारा खिलाया

**क्यूँ न लिखूँ सच** / रिठौरा।सावन के पवित्र माह में चारों ओर भोले के भक्त ही भक्त नज़र आ रहे हैं। हरिद्वार, कछलाघाट, रामगंगा से जल भरकर लौट रहे कांवरियों को थाना इज्जतनगर के गांव मुंडिया अहमदनगर में समाजसेविका लक्ष्मी गंगवार, डॉक्टर धीरजपाल, शिवम्,आकाश,हरिप्रसाद, कपिल, वीरपाल, नितिन, अरविंद, रितेश, जयवीर आदि ने भोलेनाथ के भक्त कांवरियों को भंडारा खिलाकर पुण्य कमाया। भोलेनाथ के जयकारों से पूरा माहौल शिवमय हो गया।

# पंजाब में आप को झटका: खरड़ की विधायक अनमोल गगन मान ने दिया इस्तीफा, सियासत भी छोड़ी; कहा- दिल भारी हो रहा है

गायिका रहीं अनमोल गगन मान 2020 में आम आदमी पार्टी में शामिल हुई थी। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में खरड़ से जीत हासिल की थी। खरड़ की विधायक अनमोल गगन मान ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। मान ने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मेरा दिल भारी है, लेकिन मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। विधायक पद से स्पीकर को दिया गया मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाए। मेरी शुभकामनाएं पार्टी के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी2020 में हुई थी पार्टी में शामिल अनमोल गगन मान पंजाब सरकार में पर्यटन मंत्री रह चुकी हैं। अनमोल गगन मान का पंजाबी गायिका से मंत्री तक का सफर काफी दिलचस्प है। उन्होंने साल 2020 में आम आदमी पार्टी ज्वाइन की थी। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल के प्रत्यशी रणजीत सिंह गिल को करीब 37718 मतों से हराया था। 2022 विधानसभा चुनाव में जीतने वालीं वह सबसे युवा नेताओं में से एक हैं। अनमोल गगन मान ने पार्टी का कैंपेन गीत भी तैयार किया था।मॉडलिंग और गायकी में कमाया था नाम

अनमोल गगन मान का जन्म 1990 में मानसा में हुआ था। उनकी पढ़ाई-लिखाई चंडीगढ़ से हुई। इसके बाद उन्होंने पहले मॉडलिंग फिर गायकी में अपना करियर बनाया। पिछले साल जून में एडवोकेट शाहबाज सोही के साथ उनकी शादी हुई थीं। वहीं एक दिन पहले शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता व रियल एस्टेट कारोबारी रणजीत सिंह गिल ने अकाली दल छोड़ने का एलान किया था। सुखपाल खैरा ने साधा निशाना अनमोल गगन मान के इस्तीफे पर कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा ने प्रतिक्रिया दी है। खैरा ने एक्स पर लिखा-अनमोल गगन मान का राजनीति छोड़ने का फैसला अरविंद केजरीवाल के पूर्ण विश्वासघात को दर्शाता है। मान आम आदमी पार्टी की इस्तेमाल करो फेंक दो वाली गंदी राजनीति की पहली शिकार नहीं हैं, बल्कि प्रशांत भूषण से लेकर गुरप्रीत घुग्गी तक लंबी सूची है। भगवंत मान सरकार के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं। वड़िंग बोले-जब आग भड़कती है तो पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने अनमोल गगन मान के इस्तीफे पर कहा कि पंजाब आप में सब कुछ ठीक नहीं है। एक विधायक को पार्टी से निलंबित कर दिया गया और एक महीने से भी कम समय में एक और विधायक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और राजनीति छोड़ने की बात तक कह दी। हालांकि, यह आप का अंदरूनी और आंतरिक मामला है। लेकिन जब आग भड़कती है, तो उसकी लपटें दूर-दूर तक फैलती हैं।

# फोन न देने पर लड़की ने दी जान- पिता ने बेटी को इस हरकत की वजह से नहीं दिया था मोबाइल; फंदा लगाकर की खुदकुशी

**क्यूँ न लिखूँ सच** /पुलिस ने मामले में जांच-पड़ताल की है। परिवार ने पुलिस को बताया कि किशोरी पिता से मोबाइल मांग रही थी। जिस पर उसके पिता ने उसे डांट दिया था। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के सिविल लाइंस के हरथला में शुक्रवार दोपहर पिता ने रील देखने के लिए एंड्रॉयड मोबाइल नहीं दिया तो किशोरी ने फंदे पर लटक कर जान दे दी। परिजन जिंदगी की आस में उसे फंदे से उतार कर जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने भी जवाब दे दिया। पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हरथला सब्जी मंडी निवासी फैक्टरी कर्मचारी की पत्नी नीलम बीमार हैं। उसने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे वह पत्नी को दवा दिलाने अगवानपुर जा रहा था। घर में दो बेटियां मौजूद थीं। इसी दौरान 16 वर्षीय बड़ी बेटी ने अपने पिता से एंड्रायड मोबाइल मांगा और पिता को कीपैड वाला मोबाइल लेकर जाने को कह दिया। इसी बात पर पिता ने उसे डांट दिया और कहा कि सुबह-शाम रील देखती रहती है। इसके बाद पति-पत्नी घर से चले गए। किशोरी ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। कुछ देर के बाद छोटी बहन घर आई तो दरवाजा अंदर से बंद था। उसने दरवाजा खोलने के लिए बहन को आवाज दी लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। करीब दोपहर करीब एक बजे मां-बाप घर आ गए और उन्होंने शोर मचा दिया। आस पड़ोस के लोग आ गए और धक्का मारकर दरवाजा खोल दिया। तब देखा कि दुपट्टे के सहारे किशोरी लटकी हुई थी। परिजन उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल ले गए। सिविल लाइंस मनीष सक्सेना फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और जांच पड़ताल की। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि परिवार से पूछताछ में पता चला कि किशोरी पिता से मोबाइल मांगी थी। इसी बात से नाराज होकर किशोरी ने आत्महत्या कर ली है।

# एक्सप्रेस-वे पर दिल दहला देने वाला मंजर: कार में खून से सनी लाशें, मदद के लिए चीखते लोग; कटर से काटकर निकाला

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हुआ। पिता-दो पुत्र समेत छह लोगों की मौत हो गई। मंजर देख लोगों का कलेजा कांप गया। हादसे के बाद शव कार में बुरी तरह फंस गए थे। कार को गैस कटर से काटकर शवों को निकाला जा सका।यमुना एक्सप्रेस-वे पर बलदेव थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात ईको कार चालक को झपकी आने से दर्दनाक हादसा हो गया। गांव सराय पहलवान के पास ईको कार किसी वाहन में जा घुसी। इस घटना में पिता और दो पुत्रों के साथ ही परिवार के मुखिया के दो भांजों समेत छह लोगों की मौत हो गई। वहीं पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों को जिला अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें आगरा रेफर कर दिया गया। सीएम योगी ने हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासन को घायलों को उपचार दिलाने के निर्देश दिए हैं।एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि मूल रूप से आगरा के थाना बाह के गांव हरलालपुर निवासी धर्मवीर सिंह (55) करीब डेढ़ दशक से परिवार के साथ दिल्ली के

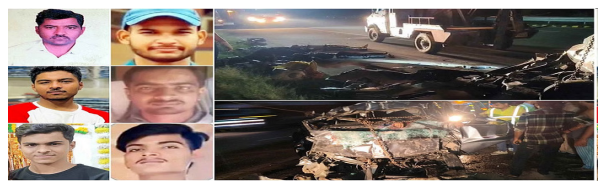

समयपुर बादली में रहते थे। वह अपने दो बेटों के साथ दिल्ली में मिठाई की दुकान संचालित करने के साथ ही कैटरिंग का काम करते थे। काम बढ़ा तो धर्मवीर ने मुरैना के थाना महुआ स्थित बड़ापुरा उसहैत गांव निवासी अपने दो भांजों को भी दिल्ली बुला लिया था।शुक्रवार की रात धर्मवीर अपनी पत्नी सोनी, बेटे आर्यन, रोहित, बेटी पायल और दो भांजे पारस उर्फ पार्थ व दलवीर और उसके दोस्त अमेठी के थाना मोहनगंज स्थित पुरेजबर बेस निवासी दुष्यंत के दिल्ली से बटेश्वर के लिए निकले थे। रविवार से उन्हें बटेश्वर में अखंड रामायण पाठ करने के साथ ही सोमवार को समापन पर भंडारे का आयोजन करना था।शुक्रवार की रात करीब साढ़े तीन बजे जैसे ही ईको कार यमुना एक्सप्रेस-वे पर बलदेव थाना क्षेत्र के गांव सराय सलवाहन (माइल स्टोन 140) के पास पहुंची, तभी कार चला रहे रोहित को झपकी आ गई। इसके चलते कार आगे किसी वाहन में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुर्घटना में धर्मवीर (55), रोहित (20), आर्यन (16), पारस उर्फ पार्थ (22), दलवीर (26) और दुष्यंत (22) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सोनी और पायल गंभीर रूप से घायल हो गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सभी कार में ही फंसे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे लोगों को गैस कटर से क्षतिग्रस्त हिस्से को कटवाकर बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। सभी शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिए गए। घटना की जानकारी लगते ही डीएम चंद्रप्रकाश सिंह व एसएसपी श्लोक कुमार जिला अस्पताल पहुंच गए और घायलों का हाल जाना।

# बगैर मान्यता वाले स्कूलों पर लगेगा जुर्माना

लवकुश ठाकुर
**क्यूँ न लिखूँ सच** / अलीगढ़ बेसिक शिक्षा विभाग ने अलीगढ़ में बिना मान्यता के चल रहे 29 स्कूलों पर बड़ी कार्रवाई की है। इनमें से 19 विद्यालय गंगीरी में हैं। इन सभी स्कूलों पर 29 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जिसे 15 दिन के अंदर सरकारी कोष में जमा करना होगा। यदि जुर्माने की राशि जमा नहीं की जाती है, तो विभाग इन स्कूलों की चल और अचल संपत्ति से वसूली की कार्रवाई करेगा। सभी स्कूलों पर एक-एक लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सभी 29 स्कूलों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि पत्र मिलने के तीन दिन के भीतर अपने स्कूल और कक्षाएं पूरी तरह से बंद कर दें। इसके साथ ही, उन्हें एक शपथ पत्र भी विभाग में जमा करना होगा, जिसमें यह स्पष्ट रूप से उल्लेख हो कि बंद किए गए स्कूलों के छात्रों का नजदीकी परिषदीय विद्यालयों में नामांकन करा दिया गया है। बीएसए डॉक्टर राकेश कुमार सिंह का कहना है कि 29 स्कूलों पर जुर्माने की यह कार्रवाई शिक्षा विभाग द्वारा अवैध रूप से संचालित हो रहे स्कूलों पर नकेल कसने के लिए की गई है।

# खाद की दुकानों पर मारा छापा, दो के लाइसेंस किए निलंबित

लवकुश ठाकुर
**क्यूँ न लिखूँ सच** / अलीगढ़ कृषि विभाग की टीम ने को कस्बा अकराबाद, विजयगढ़ में उर्वरक बिक्री केंद्रों पर छापा मारा। इस दौरान पांच नमूने लिए और दो विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किए। जिला कृषि अधिकारी धीरेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि टीम ने मैसर्स हरिवंश एग्री जंक्शन एवं एग्री क्लीनिक विजयगढ़ के प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। यहां फर्म से संबंधित अभिलेख अपूर्ण मिले। इस फर्म का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। जय दुर्गे खाद भंडार का भी लाइसेंस निलंबित किया गया है। उर्वरक विक्रेताओं के यहां से पांच नमूने भी संकलित किए गए हैं, जिन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

# यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ भीषण हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से छह की मौत, दो गंभीर घायल

धर्मेंद्र चौधरी
**क्यूँ न लिखूँ सच** / अलीगढ़ मथुरा के बलदेव थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 140 पर तड़के करीब 3 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नोएडा से आगरा जा रही ईको गाड़ी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी,
जिससे गाड़ी में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में धर्मवीर, रोहित, आर्यन (निवासी बासोनी, आगरा), दलवीर उर्फ छुल्ले व पारस सिंह तोमर (निवासी महोबा, मप्र) शामिल हैं। घायलों में सोनी पत्नी धर्मवीर और उनकी पुत्री पायल हैं। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

# भदेवरा में ग्राम यूनिट का गठन

राजेंद्र विश्वकर्मा
**क्यूँ न लिखूँ सच** / कोंच(जालौन) आज शनिवार को भारतीय किसान यूनियन की बैठक ग्राम भदेवरा में हुई जिसमें अतिथि के रूप में तहसील अध्यक्ष चतुरसिंह पटेल तहसील महासचिव डा पीड़ी निरंजन ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष पटेल ब्लॉक उपाध्यक्ष सौरभ पटेल आदि मौजूद रहे इस बैठक में भारतीय किसान यूनियन की ग्राम यूनिट का गठन किया गया जिसमें संरक्षक के रूप में सुरेन्द्र पटेल को चुना गया है
अजित सिंह पटेल को अध्यक्ष चुना गया राजेंद्र सिंह उपाध्यक्ष बनाए गए अनिल कुमार बाबा कोषाध्यक्ष बने है
गोविंद सिंह सचिव बने है चंद्रप्रकाश पटेल महासचिव चुने गए है दिनेश प्रजापति को सहकारी समिति का प्रभारी बनाया गया है
अवधेश कुमार ट्रेक्टर प्रभारी चुने गये राजकुमार सूचना मंत्री बन गये है सदस्य के पद पर आनंद प्रसाद निरंजन गिरजा शंकर पटेल और अरविंद्र याज्ञिक को चुना गया है

## संक्षिप्त समाचार

### एसएसबी सीमा चौकी सुईया के जवानों ने किया फायर फाइटिंग का अभ्यास

शकील खान
**क्यूँ न लिखूँ सच** / प्रयागराज नैनी थाना क्षेत्र गंगोत्री नगर

चौकी इंचार्ज चंद्रकांत यादव का हुआ ट्रांसफर उनके विदाई समारोह में भोले पाल शकील खान मोहम्मद रफीक मामा बल्लू खान मुस्ताक खान मोहम्मद अल्लामा जीशान पप्पू समाजसेवी वहीं पर नए चौकी इंचार्ज तेज तारक चौकी इंचार्ज शिव गुप्ता आता ही मन अपना क्षेत्र संभालने के लिए बहुत जल्दी फैसला लेते हैं आज ही आए हैं अपने क्षेत्र में दहशत बनाने लगे हैं वहीं पर जगह-जगह जाकर अपराधियों को दिल में डर बैठल दिए अगर कायदे से रहना है तो क्षेत्र में रहिए और नहीं तो क्षेत्र छोड़कर चले जाइए हमारे क्षेत्र में चोर अपराधी किस्म के लोग बक्से नहीं जाएंगे भोला पाली फूल माला से स्वागत किया भोलापन एक ऐसा इंसान है जमीन से जुड़ा हुआ नेता गरीबों का मसीहा गंगोत्री नगर चौराहे पर क्या-क्या टी स्टॉल के नाम से उनकी होटल है दिन भर में काम 200 लोग को चाय पकौड़ी खिलाकर अच्छी रास्ता बताते हैं

### महिला ने पुत्र और बहू पर फर्जी मुकदमा में फंसाने का लगाया आरोप , तहरीर

शकील खान
**क्यूँ न लिखूँ सच** / मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मऊदोस्तपुर निवासनीय मालती देवी पत्नी राम दुलार ने मऊआइमा थाने में तहरीर देकर यह आरोप लगाया है कि उसका पुत्र और बहू तीसरे युवक से मिलकर फर्जी मेडिकल बनवाए हुए हैं तथा उसे फर्जी मुकदमा में फंसाने का षड्यंत्र रच रहे हैं। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही है।

### मऊआइमा में कांवड़ियों को मारने पीटने के आरोप में सात भेजे गए चालान

शकील खान
**क्यूँ न लिखूँ सच** / मऊआइमा( प्रयागराज ) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय ख्वाजा में शुक्रवार को कांवरियों द्वारा

जुलूस निकाल कर डीजे के धुन में नाचते गाते जल भरने प्रयागराज जाते समय मस्जिद के पास दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा तलवार, लाठी डंडा आदि से हमला कर जख्मी की सूचना पर एसीपी फूलपुर पंकज लवनिया, इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी हमराही पुलिस कर्मियों के साथ पहुंच कर आक्राशित कांवड़ियों को समझा बुझाया तथा गांव के महेंद्र कुमार सरोज की तहरीर पर पुलिस ने मोहम्मद तौसीफ, मोहम्मद , मोहम्मद तस्लीम, मोहम्मद राजू, मोहम्मद अबरार, मोहम्मद शहजाद, तुफैल अहमद, सुहैल अहमद, हैदर अली आदि चालिस अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने शनिवार को आरोपी बेलाल उर्फ बब्बू, तुफैल अहमद, मोहम्मद तस्लीम, मोहम्मद आरिफ,शाहबे आलम, गुड्डू उर्फ अहमद अली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गांव फिलहाल पुलिस, पीएसी तैनात है।

# ड्यूटी डिप्लॉयमेंट, बैरीकेटिंग आदि तथा कैमरे एवं ड्रोन आदि के संचालन व्यवस्था को चेक किया गया

शकील खान
**क्यूँ न लिखूँ सच** / मऊआइमा( प्रयागराज ) पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा श्रावण मास कांवड़ यात्रा को सुरक्षित/ सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत जोन-गंगानगर क्षेत्रान्तर्गत ड्यूटी डिप्लॉयमेंट, बैरीकेटिंग आदि तथा कैमरे एवं ड्रोन आदि के संचालन व्यवस्था को चेक किया गया तथा वहां उपस्थित फोर्स व ए0सी0पी0 थरवई/झूंसी/ट्रैफिक को ब्रीफ

किया गया । कावड़ यात्रियों के आवागमन के मुख्य मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख मंदिरों की व्यवस्था, कावड़ यात्रियों की सुरक्षा हेतु किए गए प्रबंध, कावड़ यात्रियों के आश्रय स्थल तथा विश्राम स्थल, बैरीकेटिंग व फोर्स डिप्लॉयमेंट का भी अवलोकन किया गया तथा यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु प्रयागराज-वाराणसी राजमार्ग का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान संबंधित स्थानों पर ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को यातायात सुगमता, सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । साथ ही कांवड़ यात्रा मार्गों पर यातायात प्रतिबंध, मार्ग डायवर्जन एवं विशेष सावधानी हेतु तैनात पुलिस बल को सतर्क रहने का निर्देश भी प्रदान किया गया । इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त थरवई/झूंसी/ट्रैफिक भी मौजूद रहे ।

# 04 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

भूपेन्द्र तिवारी

**क्यूँ न लिखूँ सच** / बहराइच / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

# हत्या की घटना कारित करने वाले अभियुक्तगणों को आजीवन कारावास व 13,000 - 13,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

भूपेन्द्र तिवारी

**क्यूँ न लिखूँ सच** /ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियोगों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान ।माननीय न्यायालय पीठासीन अधिकारी श्री सतेन्द्र कुमार, सत्र न्यायाधीश बहराइच द्वारा दोषी अभियुक्तों को दण्डित किया गया । वैज्ञानिक विवेचना, अचूक साक्ष्य संकलन एवं पुलिस व लोक अभियोजक की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप दोषी को मिली सजा । घटना का सक्षिंप्त विवरण- वादी मुकदमा इबरार अहमद पुत्र मो0 उमर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई कि वादी के पिता दिनाँक 21.10.1996 की रात खाना खा पीकर अपनी चौपाल में सो रहे थे तथा बगल में ही वादी, उसकी मां व उसके रिश्तेदार भी सो रहे थे कि रात करीब 03.00 बजे गाँव के ही खलील, बराती, आरिफ खाँ, जुबेर खाँ, बेचन, अय्यूब, जाविर व मिठाईलाल पुरानी रंजिश को लेकर वादी के पिता को दबोच लिये। वादी के पिता के चीखने पर सभी जग गये तब तक खलील ने कट्टे से वादी के पिता के सीने पर गोली मार दी और सभी विपक्षीगण मौके से फरार हो गये, गोली लगने से वादी के पिता की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

जिसके सम्बन्ध में थाना हुजूरपुर में वादी की लिखित तहरीरी सूचना के आधार पर दिनांक 21.10.1996 को मु.अ.सं 98/1996 धारा 147, 148, 149, 302 भा.द.वि. बनाम खलील, बराती, आरिफ, जुबेर खाँ, बेचन, अयूब, जाबिर व मिठाईलाल पंजीकृत किया गया। तत्कालीन विवेचक थाना प्रभारी लल्लन सिंह यादव द्वारा साक्ष्य संकलन, गवाहों की गवाही व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त अभियुक्तगण खलील, बराती, आरिफ, जुबेर खाँ, बेचन, अय्यूब उर्फ मैकू, जाविर व मिठाईलाल उपरोक्त के विरुद्ध आरोप-पत्र दिनांक 22.11.1996 को अन्तर्गत धारा 147, 148, 149, 302 भा.द.वि. दाखिल किया गया। जिसमें माननीय न्यायालय द्वारा दिनाँक 11.11.2005 को आरोपों को विरचित किया गया। दोषसिद्धि का विवरण- श्रीमान् पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम एवं पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दंडात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम में उक्त अभियोग में माननीय न्यायालय पीठासीन अधिकारी श्री सतेन्द्र कुमार, सत्र न्यायाधीश बहराइच द्वारा मॉनिटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, प्रभारी थाना हुजूरपुर, डी.जी.सी. क्रिमिनल श्री गिरीश चन्द्र शुक्ला, कोर्ट मोहर्रिर का0 सौरभ त्रिपाठी व म0का0 नसरीन फातिमा, थाना पैरोकार का0 अनूप कुमार चौहान की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप दिनांक- 19.07.2025 को दोषी अभियुक्तगण अय्यूब उर्फ मैकू, जाविर, मिठाईलाल, बराती व बेचन खाँ उपरोक्त को आजीवन कारावास व ?13,000 - ?13,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने पर 06 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी ।

## संक्षिप्त समाचार

# महसी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

शैलेन्द्र कुमार पांडेय

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद के प्रत्येक तहसील स्तर पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया । जिलाधिकारी बहराइच श्रीमती मोनिका रानी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा तहसील महसी में उपस्थित रहकर सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई । इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर विधिक निस्तारण करने तथा निस्तारित प्रार्थना पत्रों की आख्या समय से प्रेषित करने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा कुछ शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित कर मौके पर जाकर जाँचकर निस्तारण करने हेतु रवाना किया गया। इस दौरान प्रशासन, पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

# कांग्रेस कमेटी शामली द्वारा कैराना में खुरगान रोड चांद मस्जिद के पास जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर विचार गोष्ठी का आयोजन

राकेश गुप्ता

**क्यूँ न लिखूँ सच** / कैराना शामली उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला अध्यक्ष अखलाक प्रधान के नेतृत्व में कांग्रेस कमेटी शामली द्वारा कैराना में खुर्गान रोड निकट चांद मस्जिद स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर मंगल पांडे जी की जयंती मनाई एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया अखलाक प्रधान ने कहा मंगल पांडे जैसे स्वतन्त्रता सेनानियों से हमे सिख लेने की जरूरत हे जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी शमशीर खान ने कहा मंगल पांडे जी 1857 अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ?क्रांति का बिगुल फूंकने वाले, पहले स्वतंत्रता संग्राम के नायक एवं %बलिया के बांका% अमर शहीद हे श्री मंगल पांडेय जी की जयंती पर सब उन्हें सादर नमन करते हे मंगल पांडेय जी का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष इब्राहिम सिद्दीकी जिला मीडिया प्रभारी फरमान अंसारी नगर अध्यक्ष नदीम मण्डल अध्यक्ष शारीक शमशाद शौकीन आलिम जुबेर कारी जुल्फ़ाँ साबिर आदि भी मौजूद रहे

# अब जंगली जानवरों का नहीं होगा खतरा, रात में रखवाली करेगी यह खास मशीन

अरविंद कुमार

**क्यूँ न लिखूँ सच** / पीलीभीत -पीलीभीत के रहने वाले एक ऐसे किसान के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने स्मार्ट रडार लाइट सिस्टम नाम से अनोखा यंत्र तैयार किया है। जो आने वाले समय में किसानों के लिए काफी मददगार साबित होगा। इस खास यंत्र को विकसित करने वाले बीसलपुर तहसील के डॉ. हरमीत सिंह ने बताया कि इस मशीन की खासियत है कि यह जंगली जानवरों को दूर कर देती है, जिससे किसानों की फसलों को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस मशीन को बनाने में 5 हजार रुपये का खर्च आया। फिलहाल इसे और ज्यादा तकनीकी रूप से अपग्रेड किया जा रहा हैं। जिसमें एक हजार रुपये का खर्च और बढ़ जाएगा, यानी 6 हजार रुपये में किसानों के लिए खेतों की सुरक्षा का यह हाईटेक यंत्र बड़ी राहत देगा।डॉ. हरमीत सिंह बताते हैं कि बचपन से ही मेरा मन इलेक्ट्रॉनिक में नए-नए आविष्कार करने में लगता था। मेरे घर में मौजूद कोई भी

इलेक्ट्रॉनिक गुड्स बाजार में रिपेयर के लिए कभी नहीं गया। इसी बीच कुछ अलग करने का आइडिया में मन में आया। जैसे जंगली जानवरों से फसलों को कैसे बचाया जा सके। दरअसल, रात के वक्त खेत में पहरा देना किसानों के लिए मुश्किल होता था। इसी को ध्यान में रखते हुए एक ऐसा यंत्र तैयार किया जो रात के वक्त खेत की चौकीदारी करेगा। उन्होंने बताया कि यह एक स्मार्ट यंत्र है, जो रात होते ही यह यंत्र खुद-ब-खुद जाग जाता है। लाइट जलती है, सायरन बजता है और खेत की रखवाली शुरू हो जाती है। सारा सिस्टम मशीन में लगे सेंसर और सोलर पैनल से संचालित होता है। सबसे खास बात है कि यह मशीन न सिर्फ जंगली जानवरों को दूर रखती है, बल्कि कीटों को भी मार गिराती है। क्योंकि इस मशीन के नीचे एक पानी से भरा हुआ ट्रे रखा जाता है। जैसे ही लाइट जलती है, कीट आकर्षित होकर उस रोशनी की ओर उड़ते हैं और फिर नीचे रखे पानी में गिरकर मर जाते हैं। एक रात में हजारों कीट इस यंत्र की वजह से खत्म हो जाते हैं, जिससे फसलें सुरक्षित रहती हैं। डॉ. हरमीत ने आगे बताया कि इसमें लाइट ट्रैप तकनीक लगी है, जो रात होते ही खुद चालू हो जाती है और सुबह उजाला होते ही अपने आप बंद हो जाती है। यह पूरी तरह सोलर पैनल से चलता है, जो दिन में सूरज से ऊर्जा लेकर खुद को चार्ज करता है। यानी बिजली के बिल का भी कोई झंझट नहीं है। मशीन में लगे सायरन अलग-अलग तीव्रता और ध्वनि में बजते हैं, जिससे जानवर डर के कारण खेत के पास नहीं आते। साथ ही इसमें घूमने वाली लाइटें लगी हैं, जो चारों तरफ रोशनी फैलाती हैं और दूर से ही खतरे का संकेत देती हैं। आपको बता दें कि ग्राम भसूड़ा तहसील बीसलपुर के निवासी डॉ. हरमीत सिंह ने विज्ञान से स्नातक, बीएड, लॉ, यूजीसी नेट, कंप्यूटर डिप्लोमा (हार्डवेयर एंड सॉफ्टवेयर), एमबीए व पीएचडी किया हुआ है। इन्होंने कई शिक्षण संस्थाओं में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर व प्रिंसिपल के पद पर नोएडा, अमृतसर, देहरादून, बीसलपुर (पीलीभीत) में अपनी सेवाएं प्रदान की है। वर्तमान में डॉ सिंह कृषि में आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के इस्तेमाल में नए तौर तरीको पर कम कर रहे हैं। डॉ सिंह समय समय पर अलग अलग रिसर्च संस्थाओं में किए जा रहे नवीनतम तकनीक के इस्तेमाल व खोजों को देखने जाते रहते है और कैसे उसका इस्तेमाल कम कीमत पर आम आदमी कर सकता है इस पर कार्य कर रहे है। लेकिन कृषि सेक्टर में कुछ अगल करने की तमन्ना लेकर उन्होंने स्मार्ट रडार लाइट सिस्टम नाम से अनोखा यंत्र तैयार किया है, जिसकी चर्चा आज पूरे देश में हो रही है। फिलहाल, हरमीत इस यंत्र को पेटेंट करवाने की तैयारी कर रहे है।

# न्यूरिया क्षेत्र के गांव मंडरिया से गंगा जल लेने कछला जाते भक्त

अरविंद कुमार

क्यूँ न लिखूँ सच / न्यूरिया क्षेत्र के गांव मंडरिया से डाक कावड़ यात्रा कछला के लिए पचास लोगो का एक जत्था रवाना हुआ बाबा नरसिंह द्वारा भोले के भक्तो को पूजा अर्चना कराके ओर भोले के भक्तो को फूल माला पहनाकर रवाना किया ओर गांव की महिलाओ ओर बच्चों ने पुष्प वर्षा कर गांव से मेन सड़क तक रवाना किया भोले भक्त कछला से गंगा जल लेकर सोमवार को वापस गौरी शंकर मंदिर पीलीभीत पहुँचेगे जहाँ पर जलाभिषेक होगा भोले के भक्तो को रवाना करने मे बाबा मूलचंद ओर गांव के राम प्रताप अनिल कुमार पंकज सुरेन्द्र ललित ओर नीरज आदि सैकड़ो भक्तो मे महिलाए ओर बच्चे ओर पुरुष उपस्थित रहे ओर बम बम भोले के जयकारों के साथ रवाना किया

# बिना साइलेंसर बाइक सवार युवक ने उड़ाई शांति की धजजियां पुलिस को देखते ही बाइक छोड़कर फरार हुआ युवक

राकेश गुप्ता

**क्यूँ न लिखूँ सच** / कांधला शामली बिना साइलेंसर बाइक सवार युवक ने उड़ाई शांति की धज्जियां - पुलिस को देखते ही बाइक छोड़कर फरार हुए युवक, थाने पहुंची तूफानी बाइक!

कस्बे की गलियों में शनिवार शुबह जब एक शौकीन युवक ने बिना साइलेंसर वाली बाइक से ज़ोरदार हुड़दंग शुरू कर दिया। सड़कों पर बाइक की गड़गड़ाहट और स्टंट से लोगों की नींद उड़ गई। मोके पर पहुंची पुलिस को देख युवक बाइक मौके पर ही छोड़कर ऐसा भागा जैसे कोई फिल्मी सीन चल रहा हो। पुलिस ने मोडिफाई बाइक को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया। कुछ देर बाद बाइक छुड़वाने के लिए थाने पहुंचे कुछ खास लोग, लेकिन पुलिस ने साफ कह दिया 卐बिना जांच बाइक नहीं जाएगी! फिलहाल बाइक थाने में खड़ी है और युवक की पहचान में जुटी है पुलिस। थाना प्रभारी बोले-卐कस्बे की शांति भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा,

# कांवड़ियों ने बेटे के सामने सीआरपीएफ जवान की लात-घूसों से की पिटाई, सात को किया गया गिरफ्तार

मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर कांवड़ियों द्वारा एक सीआरपीएफ जवान के साथ मारपीट करते हुए वीडियो वायरल हुआ। जिसका संज्ञान लेते हुए सात आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिसमें चार नाबालिग बताए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशन मिर्जापुर के प्लेटफार्म नंबर एक पर बुकिंग कार्यालय के पास शनिवार की सुबह किसी बात को लेकर सीआरपीएफ जवान और कांवड़ियों में विवाद हुआ। विवाद के बाद कांवड़ियों ने लात-घुसों से सीआरपीएफ जवान की पिटाई कर दी। रेलवे स्टेशन के कर्मचारियों ने बीच-बवाव किया। मामले में आरपीएफ ने सात कांवड़ियों को गिरफ्तार किया। इसमें चार नाबालिग है।ये है पूरा मामला देहात कोतवाली के खुटहां निवासी सीआरपीएफ जवान

गौतम अपने पुत्र और साथी के साथ शुक्रवार की सुबह रेलवे स्टेशन मिर्जापुर पहुंचे। वह ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस से जाने वाले थे। उनकी तैनाती मणिपुर में है। सुबह नौ बजकर 40 मिनट पर सीआरपीएफ जवान का कोई साथी सामान लेने गया। स्टेशन पर काफी संख्या में कांवड़ियां ब्रह्मपुत्र एक्सप्रस से बैजनाथ धाम जाने के लिए पहुंचे थे। पुत्र के साथ खड़े सीआरपीएफ जवान का वहां मौजूद कांवड़ियों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद होने पर कांवड़ियों ने अचानक सीआरपीएफ जवान पर हमला कर दिया। उनको जमीन पर गिराकर लात-घुसों से पिटाई करने लगे। वायरल वीडियो में सीआरपीएफ जवान का पुत्र पास आकर पिता को उठाता दिखा। सीआरपीएफ जवान उठकर कांवड़ियों के पास पहुंचे। इस पर कावंड़िये फिर से उन पर हमला कर दिए। पिटाई कर जमीन पर गिरा दिया। यह देख रेलवे स्टेशन के अधीक्षक रविंद्र कुमार ने कर्मचारियों को भेजा। रेलवे कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया। मारपीट करने वाले कांवड़ियां रेलवे स्टेशन से बाहर भाग गए। पिटाई करने का वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। वीडियो वायरल होने पर आरपीएफ और जीआरपी ने छानबीन शुरू किया। आरपीएफ ने मारपीट करने वाले सात कांवड़ियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें चार नाबालिग है। सीआरपीएफ जवान तहरीर देकर ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस से मणिपुर के लिए रवाना हो गए। विवाद का कारण स्पष्ट नहीं है। टिकट लेने और गांजा मांगने को लेकर विवाद होने की चर्चा स्टेशन पर है। आरपीएफ प्रभारी चमन सिंह तोमर ने बताया कि सीआरपीएफ जवान से कांवड़ियों ने विवाद किया। सात कांवड़ियों को पकड़ा गया। इसमें चार नाबालिग हैं। सभी आरोपी शहर कोतवाली क्षेत्र के हैं। बालिग आरोपी सत्यम, अभिषेक साहू निवासी फतहां कोतवाली शहर और अभय तिवारी कजरहवा पोखरा निवासी है। जिनका चालान किया गया।

# एसएसबी सीमा चौकी सुईया के जवानों ने किया फायर फाइटिंग का अभ्यास

प्रेमचंद जायसवाल

**क्यूँ न लिखूँ सच** / श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा-निर्देशन में तथा 'सी' समवाय प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार की देखरेख में 'सी' समवाय, सुईयां में बल कार्मिकों के लिए फायर फाइटिंग अभ्यास का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी अग्नि नियंत्रण की क्षमता को सशक्त करना था। अभ्यास से पूर्व प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार ने कार्मिकों को आग के विभिन्न प्रकारों तथा फायर फाइटिंग में प्रयुक्त उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अग्निशमन यंत्रों के सही प्रयोग, प्राथमिक सुरक्षा उपायों तथा टीम वर्क के महत्व को भी रेखांकित किया। अभ्यास के दौरान जवानों ने फायर एक्सटिंग्विशर, वाटर पाइप, सैंड बकेट इत्यादि उपकरणों का प्रयोग कर आग पर नियंत्रण पाने के विभिन्न तरीकों का अभ्यास किया। यह प्रशिक्षण भविष्य में किसी भी आकस्मिक अग्निकांड की स्थिति से निपटने में कारगर सिद्ध होगा। यह अभ्यास न केवल बल की तत्परता और सजगता का परिचायक है, बल्कि सुरक्षा उपायों के प्रति कार्मिकों की जागरूकता और आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ करता है।

# Whether you go to the gym or not, if you include these foods in your diet, your body will become amazing and protein deficiency will be removed

In today's fast-paced life, people are facing protein deficiency due to poor diet and unhealthy lifestyle. Apart from eggs, there are many other options to meet this deficiency. If you are a vegetarian, then you must include them in your diet. There are many foods which are a good source of protein. They contain more protein than eggs. Protein is necessary for our body. In today's fast-paced life, people are surrounded by many types of diseases. Due to poor diet and unhealthy lifestyle, the problem of obesity is increasing, along with this the risk of diabetes and heart diseases is also increasing. At the same time, there is also a lack of nutrients in the body. Protein is also one of them. If there is a deficiency of protein in our body, then many signs start appearing in your body. It is necessary to fulfill this deficiency. Otherwise, your bones can become weak before time. Also, your skin can also fade. Usually, if there is a deficiency of protein in the body, then it is advised to eat eggs. But even if you do not eat eggs, you can fulfill this deficiency by including some things in the diet. This will also strengthen your muscles. You will remain fit without going to the gym. Our article today is also on this topic. We will tell you what other things you can include in the diet apart from eggs so that the deficiency of protein can be fulfilled. Let us know in detail - Symptoms of protein deficiency Weak nails Weak muscles Pain in bones Fatigue Weakness Loss of appetite Weak hair Swelling of skin These things contain more protein than eggs Let us tell you that broccoli is such a superfood in which more protein is found than eggs. You can eat it as a salad. Or you can also drink its juice. This also strengthens your immunity. Along with this, protein deficiency can also be fulfilled. Pumpkin seeds also contain a good amount of protein. Apart from this, it is also a good source of zinc, iron, copper, magnesium, potassium and selenium. You can eat it as a smoothie or dry roast it and mix it in the salad. Chickpeas also have a storehouse of protein. Apart from this, a good amount of fiber is also found in it. If you eat it, it becomes easy to control hunger. This keeps the weight balanced. To meet the protein deficiency, you can also include quinoa in the diet. This is the most effective way to lose weight. Peanut butter is an excellent option for body builders. It is a good source of protein. You can eat it by spreading it on brown bread. Apart from this, it can also be taken with oatmeal, smoothies and shakes.

# Want to make your partner feel special without spending money? These 5 ways will help you

Do you want to make your partner feel special but are worried due to tight budget, then this article is for you. Let us tell you that to express love, you do not need money but a true heart and some creative ideas. The 5 ways given here can help a lot in partner feel special from time to time. Through some tips, you mentioned here is that it will not cost you much money. To gifts, but small gestures made from the heart. Do you also want in its way? If so, then do not worry now, because to express love, about 5 such amazing ways (Free Ways To Show Love) here, by loosening your pocket.A cute handwritten noteIn today's digital the heart, refresh old memories or just tell them how much you on their face. Keep it under their pillow, put it in their lunch box foodIt is said that the way to the heart is through the stomach! their favorite Maggi, a special sweet, or a full dinner. Your hard this moment more memorable by cooking together.Spend quality quality time with your partner without any disturbance. This listen to each other, look at old photos or just enjoy each other's be very romantic. Compliment your partner on the little things new outfit, compliment them. Appreciate their efforts, even if it's more than any gift. Make a 'happiness jar' Take an empty jar moments you've spent together, on small slips of paper. Ask them to pull one out of the jar whenever they feel down or sad. This will remind them how much you care about them and how important they are in your life.

making your partner feel special. It is very important to make your can make a deep place in their heart. The special thing about the methods maintain love and closeness in relationships, you do not need expensive to make your partner feel special, but the budget is becoming a hindrance you do not need bank balance, but some creative ideas. Come, let's know which you can make your partner feel the luckiest in the world without age, a handwritten letter or note feels very special. Write something from love them and appreciate them. This small gesture will bring a big smile or keep it somewhere where they find it suddenly. Make their favorite Make your partner's favorite dish with your own hands. Whether it is work and love will definitely make them feel special. You can also make time togetherIn today's busy life, the most valuable thing is 'time'. Spend means putting away your phones and other devices. Sit together and talk, company. Sometimes a walk in the park or stargazing on the rooftop can that they often overlook. For example, if they have a new hairstyle or a just small household chores. Genuine compliments and appreciation mean and write down all the things you like about your partner, or memorable

# Increased Uric Acid will be controlled naturally in a month, just adopt these 7 tips from today

Nowadays the problem of high uric acid is common which is caused by wrong eating habits and lifestyle. This can cause problems like gout and kidney stones. In such a situation, it is very important to control its level in time. You can control it in just a month with the help of some simple measures. Uric acid is a chemical formed in the body, which comes out through urine. Due to this, joint pain and kidney stone problem can occur. In such a situation, you can control it with some easy methods. The problem of high uric acid has become quite common these days. Rapidly changing lifestyle and negligence towards food often makes people a victim of this problem. When the level of uric acid in the body increases, it is also called hyperuricemia, which can cause many health problems. Due to this, many times the problem of gout and kidney stones also occurs. It can be very painful and can cause discomfort at times. In such a situation, it is important to control its increasing level in the body in time. Today in this article, we will learn from Dr. Bhanu Mishra, Consultant-Nephrologist at BLK Max Hospital, New Delhi, about 7 such methods, with the help of which you can control high uric acid naturally. Reduce purine intake Purine rich foods produce uric acid in the body. In such a situation, if its level is increased in the body, then completely avoid eating purine rich foods during this time. Take purine-rich foods like red meat, shellfish, some fish and pulses in small quantities. Apart from this, avoid alcohol, especially beer, and high sugar foods. Lose weight - If you are overweight and uric acid is increased in the body, then try to control your weight. Excess weight can increase the production of uric acid. Losing even a little weight can reduce the level of uric acid significantly. Therefore, it is important to lose weight to reduce its level. Drink plenty of water- Drinking plenty of water helps your body flush out excess uric acid through urine. So aim to drink 8 to 16 cups of water daily. To overcome dehydration, you can also include drinks like herbal tea and lemonade along with salads and fruits, which help alkalize your body and eliminate uric acid. Eat vitamin C rich foods- Vitamin C helps in the breakdown of uric acid and its elimination from the body. So to control its high level, include vitamin C rich fruits and vegetables like oranges, lemons, grapes, strawberries, kiwi, capsicum, broccoli and tomatoes in your daily diet. You can also take some supplements after consulting your doctor. Eat cherries and berries- Cherries and berries contain antioxidant and anti-inflammatory compounds called anthocyanins. These help reduce uric acid levels and can also reduce inflammation caused by painful arthritis. You can eat frozen or fresh cherries or drink unsweetened cherry juice. Stay stress free- Stress causes many problems related to physical and mental health. Therefore, try to stay stress free when the level of uric acid in the body is high and adopt ways to manage it. Natural remedies- You can also try some natural remedies to reduce uric acid. Apple cider vinegar and lemonade can make the body alkaline and help in flushing out uric acid. Ginger and turmeric, which are known for their anti-inflammatory properties, can be included in your diet or drink it as tea. Apart from this, herbal supplements like Giloy, Triphala and Guggulu can also be beneficial.

# Ananya Panday got Lafufu instead of Labubu, said- 'I had ordered 100 dolls for business but...'

**The magic of Labubu Doll is being seen not only in China but also in India. Film stars are also buying Labubu dolls and sharing its videos. Recently, a video of Ananya's fake Labubu doll is going viral. Ananya Pandey did she buy the doll Ori made doll is being seen all over the Labubu, which is among the media. Recently, Urvashi Apart from this, many celebs have bought Labubu. Now Ananya Pandey. Recently doll. The actress had two mini of her has surfaced which accidentally got Lafufu instead Laboobu doll. Actually, a few which he was seen asking revealed that the Laboobu told that one of her friends had Labooboo to start a business. Ananya said, "My friend and she ordered 100 Labooboo dolls, but she got Lafufu." When Ori turned the camera towards a doll on her bag and asked, "Ananya is this fake?" the actress replied, "It is fake but it is on a Chanel bag, so no one will ever know." This video of her is going viral on social media. Ananya Pandey's work front After the success of Kesari Chapter 2, Ananya Pandey is currently shooting for the film Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri with Kartik Aryan. Apart from this, she will also be seen in Chand Mera Dil.**

**got fake Labubu doll Ananya Pandey told- why fun of Ananya's fake dollThe magic of Labubu world. Bollywood celebrities are also buying most expensive dolls, and are flaunting it on social Rautela was also seen carrying a Labubu doll. including Khushi Kapoor, Orhan Avatramani another actress bought Laboobu. This actress is Ananya Pandey was seen carrying a Laboobu Laboobu dolls hanging in her bag. Now a video revealed that her doll is actually fake. She of Laboobu. Ananya got Lafufu instead of days ago Ori shared a video on social media in Ananya about her Laboobu doll. Then Ananya hanging in her bag is actually Lafufu Doll. She mistakenly bought Lafufu dolls instead of Ananya carried fake dolls in her Chanel bag Ridhima was trying to start a Labooboo business**

# Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi Reboot will see the entry of these two old stars, the show will be aired on TV soon

**Kyuki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2 is returning with its new season very soon. The show will premiere on July 29 at 1030 pm on its original time. It will also stream on Jio Hotstar. New updates are still coming regarding the cast of the show. When will the show come on TV? Smriti Irani will play the role of Tulsi Recently the show completed 25 years Ekta Kapoor's cult show, Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi is set to return to television soon with limited episodes. In this season too, you will get to see Smriti Irani in the role of Tulsi Virani. Apart from this, Amar Upadhyay will be seen in the role of Mihir Virani. The show recently completed 25 years. Now, if reports are to be believed, Bollywood actress Mouni Roy and Pulkit Samrat may also be seen in its part 2. Both were also a part of the first part of the show which came 25 years ago. Will Mouni Roy and Pulkit return? According to reports, Mouni played Krishna Tulsi and Pulkit played Lakshya Virani. Now, their return is also confirmed in season 2. Both will reportedly only do small cameos, but they will be important to the story of the reboot of Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi. This season will have only 150 episodes. Apart from the lead actors, Apara Mehta, Hiten Tejwani and other members of the original show are also going to return to the show. Why will fewer episodes be shown? Talking about the return of 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi', Ekta told that the show is being made with limited-episodes as it is being made to pay tribute to the original cult show which has garnered many fans over the years. She also added that the story will have a purpose and be driven by a message.When will the show air? The new season of Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi will premiere on July 29 and will air daily on TV at 10:30 pm. A few days ago, when Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi completed 25 years, Smriti had penned an emotional note, thanking the audience for their support. She had written, "25 years ago, a story entered Indian homes and silently became a part of countless lives. Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi was not just a show—it was an emotion, a memory, a ritual. A time when families would leave everything behind and sit together... cry, laugh, hope."**

# Even after coming to Bollywood, he faced poverty, the actor used to set up an omelette cart near his school

**Today, Ishtiyak Khan is known for his comic timing in films. He is known for his memorable roles with Bollywood stars like Ranbir Kapoor in Tamasha and Salman Khan in Bharat. But before glamour and fame, his life went through financial difficulties. He talked about this in an interview. Actors and actresses do everything to survive in Bollywood. Staying in Bollywood is much more difficult than getting a film. Many actors came and went. Some worked hard and stayed there. Struggled before coming to films, while some did small jobs before coming to the industry. Today we will tell you about one such actor, who earned a lot of fame with his characters in films like Ranbir Kapoor's Tamasha and Salman Khan's Bharat. However, despite working with superstars, there was a time in this actor's life when this actor had to struggle to make ends meet. We are talking about Ishtiaq Singh. Despite graduating from the National School of Drama, the actor had to set up an omelette stall nearby to make ends meet. Ishtiaq Khan got popularity from Fas Gaye Re Obama. He got his first break when he played the role of an English teacher in the film Fas Gaye Re Obama. After this, he worked as Rajesh Autowala in Tamasha, Inspector in Ludo, Janhit Mein Jari (as Purushottam), Anarkali of Aara, Chaurasia in Bharat, Vasu (Rohtak lawyer) in Jolly LLB, Sunny in Friday and Munna in Amma Ki Boli. The actor was embarrassed in front of his own student. Despite working in some of the best films of his career, Ishtiaq Khan continued to be known as the 'King of Comedy'. In a recent interview with Pinkvilla, he told what all colors life showed him. The actor said, "In the evening, some of us used to set up an egg shop. I also used to take contracts for college plays, organize music and dance performances. One day, one of my students came to my shop. He was shocked to see his 'Sir' selling eggs. I was very embarrassed. I did not understand how I would be able to show my face in school." I grew up in a good environment - Ishtiaq Ishtiaq Khan was born in a very simple family in a small town of Madhya Pradesh. He said, "All my friends knew that I did not have money. They never asked me for money for tea even once. My friend's bicycle was my bicycle, because I did not have a bicycle. It was the same with my friend's scooter. He never let me feel that I had no right over it. Because of the environment in which I grew up, I learned to be a good person. If I had grown up amidst hatred, I might not have become a good person." Ishtiaq Khan is now one of the most successful actors in the film industry. He often goes viral for his comic timing in films. Recently he was seen in films like Maidan, Vicky Vidya Ka Woh Wala Video and Bhool Chook Maaf.**